सान्ध्य हिन्दी दैनिक | जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 02 | अंक - 145 | जौनपुर, मंगलवार, 20 फरवरी 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

लेफ्टिनेंट जनरल ने सेना उपप्रमुख का पदभार किया ग्रहण

नई दिल्ली, एजेंसी। लेफ्टिनेंट जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने सेना के वाइस चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ (वीसीओएएस) का पदभार ग्रहण किया। उन्होंने निवर्तमान वीसीओएएस लेफ्टिनेंट कुमार एमवी सुचिन्द्र कुमार की जगह पदभार ग्रहण किया। कार्यालय में शामिल होने के बाद, लेफ्टिनेंट जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने राष्ट्रीय युद्ध स्मारक (एनडब्ल्यूएम) में बहादुरों को श्रद्धांजलि दी और गार्ड ऑफ ऑनर की समीक्षा की। लेफ्टिनेंट जनरल द्विवेदी रीवा में सैनिक स्कूल, राष्ट्रीय रक्षा अकादमी और भारतीय सैन्य अकादमी के पूर्व छात्र हैं। उन्होंने अपने करियर में कई उल्लेखनीय पदों पर कार्य किया है। लेफ्टिनेंट जनरल द्विवेदी को दिसंबर 1984 में जम्मू और कश्मीर राइफल्स की 18वीं बटालियन में नियुक्त किया गया था। इसके बाद, उन्होंने कश्मीर घाटी और राजस्थान के रेगिस्तान में कमान संभाली। द्विवेदी ने सेना मुख्यालय में उप प्रमुख के रूप में भी काम किया है और हिमाचल प्रदेश में 9वीं कोर का नेतृत्व किया है। वह इन्फैंट्री के महानिदेशक भी थे।

गृहमंत्री अमित शाह राजस्थान जाएंगे, आठ लोकसभा सीटों के भाजपा नेताओं से मिलेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह आठ लोकसभा सीटों के पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं को संबोधित करने के लिए राजस्थान में होंगे। पार्टी कार्यकर्ताओं ने इसकी पुष्टि की है। शाह सबसे पहले बीकानेर जाएंगे जहां वह बीकानेर संभाग की तीन लोकसभा सीटों (बीकानेर, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़) और चुरू लोकसभा क्षेत्र के कार्यकर्ताओं को संबोधित करेंगे। मंगलवार दोपहर पार्क पैराडाइज होटल में होने वाले इस कार्यक्रम में जयपुर से पार्टी नेता मौजूद रहेंगे। सूत्रों ने बताया कि गृह मंत्री एक बड़े हॉल में 200 से अधिक नेताओं से मुलाकात करेंगे और लोकसभा चुनाव जीतने की रणनीति साझा करेंगे। कार्यक्रम में भाजपा के लोकसभा चुनाव के बीकानेर प्रभारी सतीश पूनिया भी मौजूद रहेंगे। पूनिया ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, लोकसभा जीतने का विजय संकल्प 20 फरवरी को बीकानेर से श्रीगंगानगर, बीकानेर और चूरू सहित तीन लोकसभा क्षेत्रों की चुनाव प्रबंधन समिति की बैठकों के साथ शुरू होगा।

यह केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की विशेष उपस्थिति में आयोजित किया जाएगा। बीकानेर दौरे के बाद, शाह उदयपुर जायेंगे जहां वह उदयपुर शहर के नव विकसित दक्षिण विस्तार, बलीचा में निर्मित नए कृषि बाजार परिसर में उदयपुर, चित्तौड़गढ़ और बांसवाड़ा लोकसभा क्षेत्रों की एक लोकसभा क्लस्टर बैठक को संबोधित करेंगे।

भारत में जो पहले असंभव था, आज वो संभव है - मुख्यमंत्री योगी

लखनऊ, संवाददाता। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत में जो पहले असंभव माना जाता था, आज वो संभव हुआ है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्र नई समृद्धियों को प्राप्त कर रहा है। यहां आस्था का सम्मान और आजीविका की गारंटी दोनों ही है। पहले की सरकारों ने न तो आस्था का सम्मान किया और ना ही आजीविका ही दी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यह बातें सोमवार को ऐंचोड़ा कंबोह में आयोजित श्री कल्कि धाम के शिलान्यास समारोह के दौरान कहीं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का स्वागत करते हुए कहा कि भगवान विष्णु के 10वें अवतार की भावी अवतरण भूमि पर प्रधानमंत्री का आगमन हुआ है। अयोध्या में पांच सदी के इंतजार को समाप्त करने और पहली बार संयुक्त अरब अमीरात में भी भव्य मंदिर के उद्घाटन के बाद प्रधानमंत्री का आगमन संभल जनपद में हुआ है। पिछले 10 साल में हमने एक नये भारत का दर्शन किया है। इस नये भारत में हर नागरिक को सुरक्षा की गारंटी के साथ ही राष्ट्र को समृद्धि के नये सोपान तक पहुंचाने का संकल्प भी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि काशी में काशी विश्वनाथ धाम का निर्माण, अयोध्या धाम में रामलला का पुनरू विराजमान होना, केदारनाथ और बद्रीनाथ का पुनरोद्धार, महाकाल में महालोक की स्थापना नये भारत की तस्वीर है। यहां हर युवा को आजीविका और आस्था की गारंटी भी है। यही मोदी की गारंटी है। पहले की सरकारों ने आस्था के साथ खिलवाड़ किया। वो न आस्था दे पाए और न ही आजीविका उपलब्ध करा पाए। मगर, आज प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत की परंपराओं को वैश्विक मान्यता मिल रही है। हर साल 21 जून को दुनिया के 200 देश भारत की ऋषि परंपरा से जुड़कर अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाते हैं। सीएम ने कहा कि भारत में जो पहले असंभव था, आज वो संभव हुआ है। यह इसलिए हुआ क्योंकि हमारे पास एक यशस्वी नेतृत्व है। हमें गर्व होता है जब प्रधानमंत्री मोदी का सम्मान दुनिया के मंच पर होता है। पूरी दुनिया उन्हें उम्मीद की निगाह से देखती है। संभल में गंगा एक्सप्रेसवे बन रहा है। 2025 में प्रयागराज कुंभ के दौरान सरकार का प्रयास होगा कि पश्चिमी यूपी के लोग इस एक्सप्रेसवे के जरिए तेज गति से प्रयागराज पहुंचें। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में इन्फ्रास्ट्रक्चर का विकास तेजी से हुआ है। जल्द मुरादाबाद का एयरपोर्ट भी बनने जा रहा है।

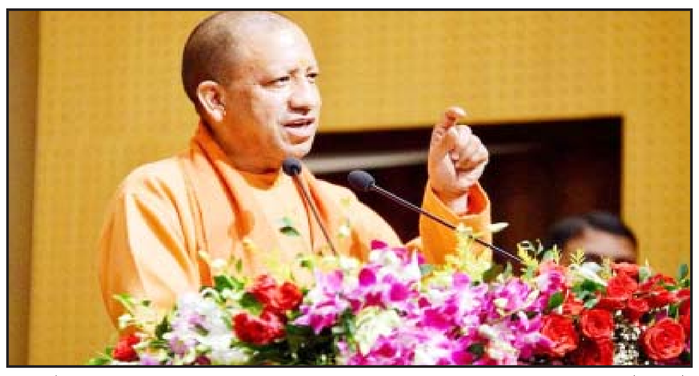

संदेशखाली मामले पर सुप्रीम कोर्ट का लोकसभा सचिवालय को नोटिस

नई दिल्ली, एजेंसी। संदेशखाली घटना से संबंधित संसदीय आचार समिति की याचिका के खिलाफ पश्चिम बंगाल सरकार ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। सुप्रीम कोर्ट ने विशेषाधिकार कमेटी की कार्रवाई पर रोक लगा दी। साथ ही उन्होंने लोकसभा सचिवालय को नोटिस भेजा है।

कपिल सिब्बल ने रखा बंगाल सरकार का पक्ष

समाचार एजेंसी एएनआई के अनुसार, वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने पश्चिम बंगाल में संदेशखाली घटना से संबंधित संसदीय आचार समिति के नोटिस के खिलाफ पश्चिम बंगाल सरकार की याचिका का सुप्रीम कोर्ट में जिक्र किया। याचिकाकर्ता की ओर से पेश वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने कहा कि राजनीतिक गतिविधियां विशेषाधिकार का हिस्सा नहीं हो सकती हैं।

चार हफ्ते बाद होगी सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट ने बंगाल सरकार की याचिका पर सुनवाई करते हुए पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव और डीजीपी समेत कई अधिकारियों के खिलाफ लोकसभा विशेषाधिकार समिति की कार्रवाई पर रोक लगा दी। इस मामले में अगली सुनवई 4 हफ्ते बाद होगी।

आचार समिति ने जारी किया था नोटिस

बता दें कि संसद की आचार समिति ने पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव समेत वरिष्ठ अधिकारियों को नोटिस जारी किया है। लोकसभा सांसद सुकांत मजूमदार की शिकायत पर विशेषाधिकार हनन नोटिस जारी हुआ था। संदेशखाली जाने से रोकने के मामले में मजूमदार ने शिकायत की थी।

अगर सोरेन ने भाजपा से हाथ मिलाया होता, वह जेल में नहीं होते – सीएम केजरीवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि अगर झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने भाजपा से हाथ मिला लिया होता तो वह जेल में नहीं होते। केजरीवाल ने सोरेन की पत्नी कल्पना मुर्मू सोरेन से टेलीफोन पर बातचीत की, जिन्होंने उन्हें समर्थन करने के लिए धन्यवाद दिया। कल्पना सोरेन ने 'एक्स' पर कहा, ''आज मेरी दिल्ली के माननीय मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जी से टेलीफोन पर बातचीत हुई। अरविंद जी को धन्यवाद कि ऐसे समय में वे झारखंडी योद्धा हेमंत जी और झामुमो परिवार के साथ खड़े हैं। उन्होंने आरोप लगाया, ''आज पूरा देश केंद्र सरकार और भाजपा की साजिश को देख रहा है। हर कोई यह देखकर परेशान है कि झारखंड के साथ–साथ दिल्ली और अन्य गैर–भाजपा शासित राज्यों में भी लोकतंत्र को किस तरह से कुचला जा रहा है। हमें एक साथ मिलकर केंद्र सरकार और भाजपा की इस साजिश से लड़ना है। कल्पना सोरेन की पोस्ट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए केजरीवाल ने 'एक्स' पर कहा, ''कल्पना जी, हम पूरी तरह से झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के साथ खड़े हैं। उनकी शक्ति और साहस की तारीफ पूरा देश करता है कि किस तरह वह भाजपा के अत्याचारों का सामना कर रहे हैं। अगर आज वह भाजपा से हाथ मिला लेते तो उन्हें जेल नहीं होती। लेकिन उन्होंने सत्य का मार्ग नहीं छोड़ा। उनको सलाम।

2047 तक आत्मनिर्भर बन जाएगी भारतीय नौसेना - नेवी चीफ

पुणे, एजेंसी। इंडियन नेवी चीफ एडमिरल आर हरि कुमार ने सोमवार को महाराष्ट्र के पुणे में विभिन्न रक्षा परियोजनाओं पर काम करने वाले निबे डिफेंस एंड एयरोस्पेस के विनिर्माण संयंत्र का उद्घाटन किया। रक्षा राज्य मंत्री अजय भट्ट भी मौजूद थे। इस अवसर एडमिरल कुमार ने कहा कि भारतीय नौसेना 2047 तक आत्मनिर्भर बन जाएगी। साथ ही उन्होंने इस लक्ष्य को हासिल करने में उद्योग से मदद की अपील की। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भरता का मतलब हर जहाज, पनडुब्बी, विमान और हथियार प्रणाली का भारत में निर्माण करना है। नौसेना प्रमुख ने कहा, भारतीय नौसेना आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रतिबद्ध है। हमने सरकार से वादा किया है कि हम 2047 तक पूरी तरह से आत्मनिर्भर बन जाएंगे और इसके लिए हमें उद्योग की मदद की आवश्यकता होगी। नौसेना प्रमुख ने कहा, यह सुविधा आत्मनिर्भरता के राष्ट्रीय दृष्टिकोण के अनुरूप देश में अपनी हथियार प्रणाली बनाने की हमारी क्षमता को मजबूत कर रही है।

भारत की मेजबानी में 50 देशों के नौसैनिक दिखाएंगे अपना रणकौशल

भारत की मेजबानी में विशाखापट्टनम में करीब 50 देशों की नौसेनाएं सबसे बड़े सैन्य अभ्यास मिलन–24 में अपना रणकौशल दिखाएंगी। 9 दिवसीय यह अभ्यास लाल सागर में बिगड़ती सुरक्षा स्थिति पर बढ़ती वैश्विक चिंताओं समेत अस्थिर भ–राजनीतिक माहौल के बीच हो रहा है। 27 फरवरी तक चलने वाले मिलन अभ्यास के 12वें संस्करण में अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस, बांग्लादेश, दक्षिण कोरिया, वियतनाम, इंडोनेशिया और मलयेशिया समेत अन्य देशों की नौसेनाएं हिस्सा ले रही हैं। इसका मकसद समान विचारधारा वाले देशों के बीच समुद्री

सहयोग को बढ़ावा देना है। यह अभ्यास मित्र देशों से 15 युद्धपोतों और एक समुद्री गश्ती विमान के आगमन के साथ सोमवार को शुरू हुआ। भारतीय नौसेना से विमानवाहक पोत विक्रांत और विक्रमादित्य समेत करीब 20 पोत और मिग 29के, हल्के लड़ाकू विमान तेजस और पी–8आई लंबी दूरी के समुद्री टोही और पनडुब्बी रोधी युद्धक विमान सहित लगभग 50 विमान अभ्यास में भाग ले रहे हैं। मिलन एक द्विवार्षिक बहुराष्ट्रीय नौसैनिक अभ्यास है जो भारत की 'लुक ईस्ट' नीति के अनुरूप इंडोनेशिया, सिंगापुर, श्रीलंका और थाईलैंड की भागीदारी के साथ 1995 में शुरू हुआ था। अभ्यास का बंदरगाह चरण 19 से 23 फरवरी तक है। विभिन्न जटिल अभ्यास और युद्धाभ्यास वाला समुद्री चरण 24 से 27 फरवरी तक होगा। नौसेना के अधिकारियों ने बताया कि औपचारिक उद्घाटन समारोह बुधवार को होगा। बंदरगाह चरण में उद्घाटन समारोह, अंतरराष्ट्रीय सिटी परेड, अंतरराष्ट्रीय समुद्री सेमिनार, मिलान टेक एक्सपो और टेबल टॉप अभ्यास सहित अन्य शामिल हैं। समुद्री चरण के दौरान नौसेनाएं उन्नत वायु रक्षा, पनडुब्बी रोधी और सतह रोधी युद्ध अभ्यास करेंगी। हवाई और सतही लक्ष्यों पर गनरी शूट, युद्धाभ्यास भी होगा।

पीएम ने 10 लाख करोड़ की परियोजनाओं का किया शुभारंभ

लखनऊ, संवाददाता। मुझे यूपी के सामर्थ और डबल इंजन सरकार के परिश्रम पर पूरा विश्वास है। मैं योगी जी को विशेष बधाई देता हूं। हर हिन्दुस्तानी को गर्व होता है कि यूपी ने ठान लिया है कि वो एक ट्रिलियन डालर की इकोनॉमी बनेगा। देश के सभी राजनीतिक दलों से कहूंगा कि राजनीति छोड़िए और यूपी से सीखिए। आप कितने ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी अपने राज्य को बनाएंगे, ये संकल्प करके मैदान में आइए। देश तभी आगे बढ़ेगा जब यूपी की तरह हर राज्य बड़े सपने और संकल्प लेकर चल पड़ेगा। उद्योग जगत के साथियों के लिए यूपी में अनंत अवसर की बेला है। आपने कभी सोचा नहीं होगा उतनी तेजी से यूपी अपने सारे संकल्पों को पूरा कर रहा है। ये बातें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी के चौथे संस्करण के उद्घाटन समारोह के दौरान कही। प्रधानमंत्री ने रिमोट का बटन दबाकर 10 लाख करोड़ रुपए से अधिक की 14 हजार से ज्यादा परियोजनाओं का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने चलचित्र के माध्यम से बदलते उत्तर प्रदेश की झलक भी देखी। अपने उद्बोधन में प्रधानमंत्री ने कहा कि सात वर्ष पहले हम सोच भी नहीं सकते थे कि यूपी में निवेश और नौकरियों को लेकर ऐसा माहौल बनेगा। पहले चारों तरफ अपराध, दंगे, छीनाझपटी यही खबरें आती रहती थीं। उस दौरान अगर

कोई कहता कि यूपी को विकसित बनाएंगे तो शायद कोई सुनने को भी तैयार नहीं होता। आज लाखों करोड़ का निवेश उत्तर प्रदेश में उतर रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश में हजारों प्रोजेक्ट पर काम शुरू हो रहा है। ये उद्योग यूपी की तस्वीर बदलने वाले हैं। उत्तर प्रदेश में बीते सात साल में रेड टेप कल्चर को खत्म करके रेड कार्पेट कल्चर का माहौल बना है। यूपी में ना केवल क्राइम कम हुआ है, बल्कि बिजनेस कल्चर का विस्तार भी हुआ है। बीते सात साल में यूपी में व्यापार, विकास और विश्वास का माहौल बना है। यहां आए सभी निवेशकों के बीच आशावाद दिख रहा है। डबल इंजन सरकार ने दिखाया है कि अगर बदलाव की सच्ची नीयत है तो उसे कोई रोक नहीं सकता। बीते कुछ वर्षों में यूपी से होने वाला एक्सपोर्ट दोगुना हो चुका है। यूपी वो राज्य है जहां देश में सबसे ज्यादा एक्सप्रेसवे हैं। यहां सबसे ज्यादा इंटरनेशनल एयरपोर्ट हैं। यहां देश की पहली रैपिड रेल चल रही है। वेस्टर्न और ईस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर का बड़ा नेटवर्क यूपी से गुजरता है। नदियों के नेटवर्क का भी मालवाहक जहाजों के लिए उपयोग किया जा रहा है। ट्रांसपोर्टेशन सस्ता हुआ है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत को लेकर पूरी दुनिया में अभूतपूर्व पॉजिटिविटी दिख रही है। पीएम मोदी ने कतर और यूएई की यात्रा का जिक्र करते हुए बताया कि हर देश भारत के विकास को लेकर आश्वस्त और भरोसे से भरा हुआ है। पूरी दुनिया भारत को बेहतर रिटर्न की गारंटी मान रही है। उन्होंने कहा कि अक्सर देखा जाता है कि चुनाव नजदीक होने पर लोग नये निवेश से बचते हैं। लेकिन आज उत्तर प्रदेश में सोच भी तोड़ दी है। दुनियाभर के इन्वेस्टर्स को सरकार की पॉलिसी और स्टेबिलिटी पर पूरा भरोसा है। ये विश्वास लखनऊ में झलक रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि देश में जिस प्रकार की सोच आजादी के बाद से अनेक दशकों तक रही है उस पर चलते हुए ये परिवर्तन संभव ही नहीं था। तब की सरकारों की सोच थी कि देश के नागरिकों का जैसे तैसे गुजारा कराओ। उन्हे हर मूलभूत सुविधा के लिए तरसा के रखो। पहले की सरकारें केवल चुनिंदा शहरों में अवसर उपलब्ध कराती थीं, जिसके कारण देश का बड़ा हिस्सा विकास से वंचित रह गया। डबल इंजन सरकार ने पुरानी राजनीतिक सोच को बदल कर रख दिया है। हम हर नागरिक के जीवन को आसान बनाने में जुटे हैं।

मोदी सरकार ने अरबपतियों का लाखों-करोड़ों का कर्ज माफ किया - राहुल

अमेठी, संवाददाता। राहुल गांधी भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान उत्तर प्रदेश के अमेठी में एक सार्वजनिक सभा को संबोधित कर रहे थे और केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार पर हमला किया।

अयोध्या के मंदिर में श्री राम लल्ला के हालिया प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर हमला करते हुए, कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू एक आदिवासी हैं (आदिवासी समुदाय से हैं), इसलिए उन्हें मेगा इवेंट में आमंत्रित नहीं किया गया था। राहुल गांधी ने कहा कि भारत जोड़ो यात्रा में किसान, युवा, गरीब और छोटे व्यापारी हमारे पास आए और उन्होंने अपने दिल की बात मुझे बताई। किसी ने महंगाई की बात की, किसी ने बेरोजगारी की बात की तो किसी ने जीएसटी की शिकायत की। पहली यात्रा में मैं यहां से नहीं गुजरा, इसलिए अब मैं भारत जोड़ो न्याय यात्रा लेकर अमेठी में आपके सामने हाजिर हूं। आज देश के युवा मोबाइल फोन पर घंटों वीडियो देखते रहते हैं, एक दूसरे को वीडियो भेजते रहते हैं। लेकिन अडानी– अंबानी के बेटे मोबाइल में वीडियो नहीं देखते, वो अपने पैसे गिनते हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि उसी तरह अमित शाह का बेटा जिसे बैट पकड़ना नहीं आता, आज हिंदुस्तान के क्रिकेट को चला रहा है। ये इस देश की सच्चाई है। उन्होंने कहा कि मणिपुर में आग लगी हुई है। वहां पर मोदी सरकार ने दो वर्गों के बीच लड़ाई करवा दी है। मणिपुर में लोगों को मारा गया है, घर जला दिए गए हैं। वहां पर सिविल वार जारी है। लेकिन आज तक हिंदुस्तान के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मणिपुर नहीं गए। उत्तर प्रदेश में मेरे पास कई युवा आए, जिन्होंने मुझे बताया कि उनकी जिंदगी बर्बाद हो गई है। ऐसा इसलिए क्योंकि यहां जो भी परीक्षा होती है, उसका पेपर लीक हो जाता है। उत्तर प्रदेश में युवाओं को रोजगार नहीं मिल सकता, ये यहां की सच्चाई है। पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि किसानों को दिल्ली आने से रोकने के लिए पीएम मोदी ने बड़ी–बड़ी दीवारें बनवा रखी हैं। देश का किसान एमएसपी ही तो मांग रहा है। मोदी सरकार अरबपतियों का लाखों–करोड़ों का कर्ज माफ कर सकती है, लेकिन किसान को एमएसपी नहीं दे सकती। लेकिन कांग्रेस पार्टी ने कहा दिया है– हम किसानों को एमएसपी की लीगल गारंटी देंगे।

ईयू राजदूत ने मेजबानी के लिए विदेश मंत्री जयशंकर का किया धन्यवाद

नई दिल्ली, एजेंसी। यूरोपीय संघ के राजदूत हर्वे डेल्फिन सोमवार को भारत पहुंचे। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर का स्वागत किया। डेल्फिन ने मेजबानी के लिए जयशंकर को धन्यवाद दिया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि टीम यूरोप भारत के साथ मिलकर बदलाव ला सकता है। दोनों नेताओं ने वैश्विक संकटों और चुनौतियों का सामना करने, रिश्तों को और गहरा करने के साथ–साथ भारत और यूरोपीय संघ के पारस्परिक हितों पर चर्चा की।

जयशंकर ने भी धन्यवाद कहा

मुलाकात की जानकारी देते हुए डेल्फिन ने एक्स पर कहा कि हमारी मेजबानी करने और अच्छी चर्चा के लिए जयशंकर का धन्यवाद। टीम यूरोप और भारत साथ मिलकर बदलाव ला सकते हैं। जयशंकर ने भी भारत के साथ संबंधों को बढ़ाने

में उनके योगदान के लिए डेल्फिन को धन्यवाद कहा। एक्स पर जयशंकर ने कहा, दिल्ली में यूरोपीय संघ के राजदूतों से म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन के अनुभव भी साझा किए। भारत 21 फरवरी को दिल्ली में ऑनलाइन दुष्प्रचार और सूचना हेरफेर के साथ सुरक्षा और नीतिगत पहलुओं पर यूरोपीय संघ के साथ गोलमेज सम्मेलन की मेजबानी करेगा। यूरोपीय संघ और भारत के 35 से अधिक विशेषज्ञ शामिल होंगे।

संपादकीय

भारतीय अर्थव्यवस्था

पहले भारतीय अर्थव्यवस्था की स्थिति पर संसद में एक श्वेत पत्र पेश किया। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन ने कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूपीए शासन के दौरान 2014 से पहले भारतीय अर्थव्यवस्था की स्थिति पर संसद में एक श्वेत पत्र पेश किया। तत्कालीन प्रधान मंत्री मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार ने 2014 में भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार को एक गहरी तनावपूर्ण अर्थव्यवस्था सौंपी थी, जो वित्त, अर्थव्यवस्था और शासन क्षेत्रों में संरचनात्मक पंगुता से चिह्नित थी। सरकार की निर्णय लेने की प्रक्रिया में अनुचित राजनीतिक हस्तक्षेप इसका मुख्य कारण था। परिणामस्वरूप, यूपीए शासन के तहत भारत के लोगों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। 2009 और 2014 के बीच मुद्रास्फीति 10ः से अधिक रही। 2009 में यह बढ़कर 12.4 प्रतिशत हो गई। बढ़ती कीमतों ने लोगों के लिए जीवनयापन की स्थितियों को कठिन बना दिया है। इसके विपरीत, पिछली वाजपेयी सरकार ने 2002–2007 में वैश्विक अर्थव्यवस्था में उछाल के बीच उच्च विकास दर और कम मुद्रास्फीति दर दर्ज की थी, जो यूपीए के पहले कार्यकाल यानी 2004–09 के दौरान देखी गई थी। लेकिन, आगे विकास के अच्छे अवसर का उपयोग नहीं किया गया, जिसके परिणामस्वरूप यूपीए के दूसरे कार्यकाल में नीतियों की खराबी और केंद्र सरकार की निष्क्रियता के कारण विकास दर में गिरावट देखी गई। महँगाई नियंत्रण से बाहर हो गई। 2004 से 2014 के बीच व्यापार और निवेश के माहौल में खटास आ गई, जिससे भारत की छवि खराब हुई और वैश्विक निवेशक दूर हो गए। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के मामले में, सकल एनपीए, जिसे पूर्ववर्ती वाजपेयी सरकार ने 16% से घटाकर 7.8ः कर दिया था, 12.3ः बढ़ गया। इसका दोष बैंकिंग प्रणाली में राजनीतिक हस्तक्षेप पर मढ़ें। लगभग 4 लाख करोड़ रुपये के समस्याग्रस्त ऋणों को प्रावधान के लिए मान्यता नहीं दी गई थी और 2006 और 2008 के बीच बड़ी संख्या में बुरे ऋण दिए गए थे। यूपीए सरकार द्वारा सिस्टम के दुरुपयोग और भ्रष्टाचार की कीमत देश आज भी चुका रहा है। देश में निवेश–अनुकूल माहौल बनाने के लिए एनडीए सरकार को कड़ी मेहनत करनी पड़ी। सीएजी ने कहा कि कोयला ब्लॉक आवंटन से सरकारी खजाने को 1.86 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ और सुप्रीम कोर्ट ने यूपीए द्वारा किए गए 204 कोयला आवंटन रद्द कर दिए। 47 मामले दर्ज किए गए और 10 मामलों की अभी भी जांच चल रही है। इसके अलावा कॉमनवेल्थ गेम्स घोटाले में 8 मामले दर्ज किये गये और कांग्रेस नेता सुरेश कलमाडी को गिरफ्तार किया गया। 2जी टेलीकॉम घोटाले से देश को 1.76 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ और यह मामला अपीलीय अदालत में है। 2004–2014 के दौरान सारदा चिट फंड, आईएनएक्स मीडिया, आदर्श हाउसिंग, ऑगस्टा वेस्टलैंड आदि जैसे कई अन्य घोटाले हुए। हर कोई स्वीकार करता है कि तत्कालीन प्रधान मंत्री मनमोहन सिंह के खिलाफ कोई विशेष भ्रष्टाचार का आरोप नहीं था, क्योंकि वाड्रा सहित गांधी परिवार फैसले ले रहा था। नरेंद्र मोदी ने 2014 में प्रधानमंत्री पद पर आसीन होने के बाद अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए संरचनात्मक सुधारों को प्रभावित किया, जबकि अर्थव्यवस्था में जाली और नकली मुद्रा पर अंकुश लगाने के लिए विमुद्रीकरण जैसे उपायों की पहल की। वह पिछले 9 वर्षों के दौरान पारदर्शी अप्रत्यक्ष कर प्रणाली, बैंकिंग विलय, धन निवेश के लिए एनबीएफसी को छूट, ऑटोमोबाइल और कपड़ा उद्योगों के नवीकरण के लिए विशेष उपाय आदि के लिए जीएसटी लेकर आए, जबकि कोविड 19 के कारण अप्रत्याशित अनिश्चितताएं थीं, जिसने दुनिया भर की अर्थव्यवस्थाओं को बर्बाद कर दिया था। और कईयों को मंदी में धकेल दिया। लचीलापन और अनुकूलनशीलता उनके शासन की पहचान रही है। नरेंद्र मोदी सरकार सभी क्षेत्रों में अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने और वंचित वर्गों की स्थितियों को सुधारने के लिए 20 लाख करोड़ रुपये की शानदार ष्आत्मनिर्भर भारतष लेकर आई। परिणामस्वरूप, मुद्रास्फीति नियंत्रण में आ गई और वैश्विक स्तर पर आर्थिक विकास रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। कायाकल्प कार्यक्रम के दौरान, सरकार ने वैश्विक मुद्रास्फीति, यूरोपीय अर्थव्यवस्था संकट, ब्रेक्सिट, ग्रीस संकट, अस्थिर तेल की कीमतें, रूस–यूक्रेन युद्ध जैसे कई संकटों का सामना किया, जिससे दुनिया भर में आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान बढ़ गया। जबकि प्रमुख अर्थव्यवस्थाएं धीमी वृद्धि दर्ज कर रही हैं, भारत कोविड–19 को सफलतापूर्वक नियंत्रित करके और कई देशों को समय पर टीकाकरण में मदद करके सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बनकर उभरा है। मंदी, महामारी और युद्धों के कठिन दौर में वैश्विक अर्थव्यवस्था के जहाज को चलाने के लिए भारत शेष दुनिया के लिए एक आशा बन गया है। मोदी के नेतृत्व में, भारत ने 7.3ः की वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर हासिल की और दर्ज की और मौजूदा कीमतों पर जीडीपी 2023–24 के लिए 296.58 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गई। हमारा देश 2014 में 2 ट्रिलियन डॉलर के आकार के साथ दुनिया की 10वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था था। लेकिन, एनडीए सरकार द्वारा संरचनात्मक सुधारों और प्रभावी नीतियों के साथ समय पर लिए गए निर्णयों के बाद, भारत अब दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और इसकी जीडीपी बढ़कर 3.7 ट्रिलियन डॉलर हो गई है। यह 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था हासिल करने और 2027–28 तक तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की तेजी से राह पर है।

पृथ्वी से स्वर्ग तक का अगोचर प्रवेश द्वार

ललित

सुषेण पश्चिम की ओर और शतबली उत्तर की ओर गए। ब्रह्मांड में भूमि, महासागरों, द्वीपों, निवासियों आदि का अब तक का सबसे पहला रिकॉर्ड किया गया इतिहास महर्षि वाल्मिकी की संस्कृत रामायण के किष्किंधा कांड और इसके तेलुगु संस्करण, वसुदास स्वामी की आंध्र वाल्मिकी रामायण में है। यह शानदार प्राचीन भारतीय भूगोल तथाकथित ळववहसम मानचित्र से कम नहीं था। प्रसंग यह था कि, जब राजा सुग्रीव के आदेश पर वानर सरदार रावण द्वारा अपहृत सीता की खोज में पृथ्वी के पूर्व, दक्षिण, उत्तर–पश्चिम और उत्तर दिशा में घूम रहे थे, तब सुग्रीव ने उन्हें सूक्ष्म विवरणों के साथ स्थलाकृति के बारे में बताया। विनता पूर्व की ओर, अंगद और हनुमान दक्षिण की ओर, सुषेण पश्चिम की ओर और शतबली उत्तर की ओर गए। पूर्व दिशा का उल्लेख जम्बू द्वीप के पूर्व में था, जो दक्षिण–पूर्व एशिया सहित भारतीय उपमहाद्वीप है, जिसमें मंदरा पर्वत, आदि शेष, पर्वत सूर्योदय, पूर्वी कम्पास, स्वर्ग का प्रवेश द्वार आदि शामिल हैं। सरस्वती त्रिवेणी का मध्याह्न रेखा, संगम इला, भारती और सरस्वती नदियाँ अभी भी भारतीय खगोलविदों के लिए प्रधान मध्याह्न रेखा हैं। पहली वेधशाला उज्जैन, वह स्थान जहां मध्य भारत में एक प्राचीन नदी श्सरवतीश घुमावदार रूप से बहती थी, इसी मध्याह्न रेखा पर है। सरवती का उच्चारण श्शरावतीश के रूप में भी किया जाता है, यह एक नदी भी हो सकती है जो कर्नाटक राज्य से निकलती और बहती है। पूर्व की ओर क्रमिक रूप से संकेतित स्थान थेरू भागीरथी या गंगा, सरयू, कौशिकी (कूसी), यमुना, कालिंदा पर्वत, सरस्वती, सिंधु, शोना (शोन), काला माही आदि नदियाँ। सरस्वती नदी, रचनात्मक केंद्र मनुष्य का, जो वैदिक काल में एक बार अस्तित्व में आया था, या तो गायब हो गया है या भूमिगत हो गया है। ऐसा माना जाता है कि यह बारहमासी नदी हिमालय से पंजाब, हरियाणा, पश्चिमी राजस्थान और गुजरात में कच्छ के रन से होकर बहती थी, और यदि इसका पता लगाया जा सके, तो यह भूमिगत जल का एक प्रचुर स्रोत होगी। सिन्धु नदी और पश्चिमी सिन्धु नदी भी भिन्न हो सकती हैं। इसे इंदुसा नामक एक अन्य पूर्वी नदी माना जाता है। इसके बाद ब्रह्मा माला, विदेह (मिथिला, सीता का जन्म स्थान, जिसे अब तिरहूत के नाम से जाना जाता है), मालवा, काशी, कोसल, मगध (बिहार), पुंड्रा, अंग और कोशकार राज्य आते हैं। इसके बाद मंदरा पर्वत की चोटी आती है, जिसमें बड़े पैमाने पर भद्दे और अजीब शारीरिक विशेषताओं वाले जीव रहते हैं, अनिवार्य, शक्तिशाली आदमखोर आदिवासी, जिनमें से कुछ जलपरी की तरह भयानक आधे आदमी आधे बाघ के रूप में दिखाई देते हैं। पर्वतारोहण या नौकायन से आगे बढ़ने पर, सात राज्यों के साथ शानदार यवा (जावा) द्वीप आएगा। ये द्वीपों का समूह हो सकता है, जावा, सुमात्रा, बाली, इंडोनेशिया आदि, जिन्हें भारतीय श्मुख्य द्वीपसमूहश कहा जाता है। यवा द्वीपों में और उसके आसपास, सोने की खदानों से युक्त सुनहरे और चांदी के द्वीप हैं। जावा और बाली के कई हिस्सों में गणेश पत्थर की मूर्ति पाई गई है। अपनी चोटी से स्वर्ग को छूने वाला, देवताओं और दानवों द्वारा पूजनीय शिशिरा पर्वत, यवा द्वीप को पार करने पर पाया जाता है। लाल पानी वाली शोना नदी एक विशाल महासागर के रूप में दिखाई देती है, जिसमें अनंत द्वीपों से युक्त खाड़ियाँ और खाड़ियाँ हैं, जो सिद्धों और चारणों द्वारा प्रशंसित गहरी और तेज बहाव वाली नदी है, जो समुद्र के दूसरे तट पर पाई जाती है। आगे बढ़ने पर प्लक्ष द्वीप दिखता है, जहां पहाड़ों से विशाल नदियां निकलती हैं। तब इक्षु द्वीप और अत्यंत उग्र, प्रचंड, शोर मचाने वाला और ज्वार–भाटा से ग्रस्त इक्षु समुद्र या नमक महासागर प्रकट होंगे। विशाल शरीर वाले राक्षस अनंत भूख से व्याकुल होकर उस महासागर को रोकते हैं, जिस पर राक्षस सदैव कब्जा कर लेते हैं, ब्रह्मा की छाया से शिकार करते हैं। आगे बढ़ने पर विनाशकारी लोहिता महासागर या लाल महासागर (मधु समुद्र या वाइन महासागर) दिखाई देता है, जहां शाल्मली द्वीप या शाल्मली द्वीप नामक एक द्वीप है। इसका नाम वहां खड़े शाल्मलि वृक्ष के कारण रखा गया है। विनता के पुत्र गरुड़ के लिए स्वर्गीय वास्तुकार विश्वकर्मा द्वारा निर्मित हवेली, जो विष्णु का ईगल–वाहन है, जो कई रत्नों से सुसज्जित है, और कैलाश पर्वत की तरह चमकती है, उस द्वीप में शिव का निवास दिखाई देता है। वहाँ समीप ही पर्वत शिखरों से उलटे लटके हुए भयानक एवं निर्दयी मंदेहा राक्षस दिखाई देते हैं। मंदेहा राक्षस उगते सूर्य पर हमला करते हैं, जो उपासकों द्वारा चढ़ाए गए और गायत्री भजन से पवित्र किए गए मुट्ठी भर पानी की मदद से उन पर काबू पाते हैं। अपने मार्ग पर बढ़ता हुआ सूर्य उन्हें जला डालेगा। मांडे फिर से जीवित हो जाते हैं और अगली सुबह पहाड़ की चोटियों से लटककर सूर्य के मार्ग में वही रुकावट दोहराना शुरू कर देते हैं। दूधिया सागर (जालोदा सागर) एक सफेद बादल की तरह दिखता है और लहरों के साथ एक चमकदार हार आगे दिखाई देता है। विशाल आकार का सफेद पर्वत ऋषभ, पेड़ों से घिरा हुआ है, जिसके फूलों में स्वर्गीय सुगंध है, इसके केंद्र में है। चांदी के कमलों से परिपूर्ण श्सुदर्शन झीलश भी देखी जाती है, जिसके धागे सुनहरे चमक वाले होते हैं, जहां राजसी हंस दौड़ते हुए दिखाई देते हैं। झील चरा को आकर्षित करती है।

चुनावी बांड फैसले पर राजनीतिक संकल्प की जरूरत

विनोद

विषय के विभिन्न आयामों को समझ सके। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स बनाम यूनियन ऑफ इंडिया में सुप्रीम कोर्ट का फैसला जिसने इलेक्टोरल बॉन्ड सिस्टम (ईबीएस) पर प्रतिबंध लगा दिया था, वह भी इस विषय पर एक ग्रंथ है। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ ने अपनी विशिष्ट शैली में जटिल कानूनी मुद्दों को अच्छी तरह से समझाया है ताकि भारत की लोकतांत्रिक राजनीति से संबंधित कोई भी व्यक्ति इसे पढ़ सके और विषय के विभिन्न आयामों को समझ सके। यह समकालीन आर्थिक और राजनीतिक वास्तविकताओं में निहित संवैधानिक निर्णय का एक उदाहरण है। यह हमारे समय की वैध न्यायिक सक्रियता का भी मामला है। फैसले ने राजनीतिक समानता के विचार को फिर से स्थापित किया है और इस तरह हमें चुनावी राजनीति के क्षेत्र में समाजवाद के सिद्धांत की याद दिला दी है, जो संविधान की प्रस्तावना में एक भूला हुआ शब्द है। राजनीतिक दलों को असीमित और अपारदर्शी कॉर्पोरेट फंडिंग की सुविधा के लिए, संसद ने संबंधित अधिनियमों में बदलाव किया। कंपनी अधिनियम की धारा 182 में संशोधन किया गया और कॉर्पोरेट फंडिंग पर अधिकतम सीमा और योगदान का विवरण दिखाने की आवश्यकता को समाप्त कर दिया गया। आयकर अधिनियम में संशोधन में कहा गया कि राजनीतिक दलों को योगदान का रिकॉर्ड रखने की भी आवश्यकता नहीं है। भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम और जन प्रतिनिधित्व अधिनियम जैसे अन्य अधिनियमों में संशोधन किए गए। इस प्रकार, संदिग्ध अर्थव्यवस्था का एक नया शासन अस्तित्व में आया, जिसने न केवल चुनावों बल्कि देश की राजनीति को भी नियंत्रित किया। इलेक्टोरल बॉन्ड शब्द एक मिथ्या नाम है क्योंकि फंडिंग चुनाव तक ही सीमित नहीं थी। यह राजनीतिक दलों के असीमित और गुप्त संवर्धन का एक उपकरण था। केंद्र ने इसका बचाव किया. इसमें कहा गया कि नागरिकों को यह जानने का कोई मौलिक अधिकार नहीं है कि राजनीतिक दलों को कैसे वित्त पोषित किया जाता है। इसमें कहा गया कि ईबीएस का उद्देश्य काले धन पर अंकुश लगाना और लेनदेन को ष्पारदर्शीष बनाना था। ष्पारदर्शिताष सरकार और बांड के पक्षों तक ही सीमित थी। जिस जनता ने राजनेताओं को वोट देकर सत्ता सौंपी, उसे बाहर कर दिया गया। केंद्र के अनुसार, ईबीएस एक नीतिगत मामला होने के कारण न्यायिक समीक्षा के दायरे से बाहर है। केंद्र की ओर से दी गई दलीलों को कोर्ट ने लगभग पूरी तरह खारिज कर दिया. अन्य बातों के अलावा, अदालत ने कहा कि अक्सर प्रतिदान लेनदेन के रूप में किया गया योगदान राजनीतिक समर्थन की अभिव्यक्ति नहीं हैष। केंद्र द्वारा तैयार की गई गुप्त संतुलन प्रणाली के साथ ईबीएस की सादृश्यता को भी खंडपीठ ने खारिज कर दिया। अदालत ने कहारू ष्राजनीतिक दलों को कंपनियों द्वारा असीमित योगदान स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनावों के लिए विरोधाभासी है क्योंकि यह कुछ व्यक्तियोंध्कंपनियों को नीति निर्माण को प्रभावित करने के लिए अपने प्रभाव और संसाधनों का इस्तेमाल करने की अनुमति देता हैष। किसी के पास यह दावा नहीं है कि ईबीएस की शुरुआत से पहले भारत में राजनीति साफ–सुथरी थी और कॉर्पोरेट फंडिंग या काले धन से दूषित नहीं थी। हालाँकि, ईबीएस के साथ समस्या यह है कि इसने अशुद्धियों को भारी और असीमित तरीके से वैध बना दिया और कायम रखा। इसने कुछ राजनीतिक दलों को असमान रूप से समृद्ध किया। इन पार्टियों ने फंडिंग पर इस तरह से एकाधिकार जमा लिया कि वे सरासर प्रचार और झूठे आख्यानों से अज्ञानी मतदाताओं को प्रभावित कर सकें। एक व्यक्ति–एक वोट एक मृगतृष्णा और राजनीतिक समानता, बीते समय की एक विशेषता बन गई। सरकार द्वारा ईबीएस की कानूनी रक्षा को अदालत ने आनुपातिकता के सिद्धांत और प्रकट मनमानी के सिद्धांत को लागू करके खारिज कर दिया था। यह कि ईबीएस ने देश के कार्यात्मक लोकतंत्र के लिए एक गंभीर खतरा पैदा कर दिया है, एक अनुभवजन्य वास्तविकता थी। देश के प्रमुख कानूनों पर वित्त अधिनियम, 2017 का प्रभाव चौंकाने वाला था कि ईबीएस की आड़ में बड़े पैमाने पर मनी लॉन्ड्रिंग को भी वैध कर दिया गया और दबा दिया गया। ईबीएस और निर्वाचित उम्मीदवारों की खरीद–फरोख्त के बीच सांठगांठ की भी जांच की आवश्यकता हो सकती है। फैसला केवल राजनीतिक दलों और उनके उम्मीदवारों को जानने के नागरिक के अधिकार पर नहीं था। यह राजनीतिक दलों की असीमित कॉर्पोरेट फंडिंग की प्रणाली में संवैधानिक वैधता का पूर्ण अभाव भी था। हेनरी वार्ड बीचर ने प्रसिद्ध रूप से कहा था, ष्एक कानून बनाने में आमतौर पर सौ साल लगते हैं, और फिर, अपना काम पूरा करने के बाद, इससे छुटकारा पाने में आमतौर पर सौ साल लगते हैंष। हमारी राजनीतिक अर्थव्यवस्था पर ईबीएस का प्रभाव आने वाले कई वर्षों तक बना रह सकता है। देश के इतिहास में शीर्ष अदालत के फैसलों को पलटने की कोशिशें असामान्य नहीं हैं। मजे की बात यह है कि ताजा घटनाओं में से एक घटना चुनाव सुधार के दायरे से भी है। पिछले साल सुप्रीम कोर्ट ने अनूप बरनवाल बनाम भारत संघ मामले में फैसला सुनाया था, जिसमें निर्देश दिया गया था कि चुनाव आयुक्तों का चयन करने वाली समिति में भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) को भी शामिल किया जाना चाहिए।

पीएम मोदी ने भारतीय अर्थव्यवस्था को फास्ट ट्रैक पर रखा

आदित्य

तत्कालीन प्रधान मंत्री मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार ने 2014 में भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार को एक गहरी तनावपूर्ण अर्थव्यवस्था सौंपी थी, जो वित्त, अर्थव्यवस्था और शासन क्षेत्रों में संरचनात्मक पंगुता से चिह्नित थी। सरकार की निर्णय लेने की प्रक्रिया में अनुचित राजनीतिक हस्तक्षेप इसका मुख्य कारण था। परिणामस्वरूप, यूपीए शासन के तहत भारत के लोगों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। 2009 और 2014 के बीच मुद्रास्फीति 10ः से अधिक रही। 2009 में यह बढ़कर 12.4 प्रतिशत हो गई। बढ़ती कीमतों ने लोगों के लिए जीवनयापन की स्थितियों को कठिन बना दिया है। इसके विपरीत, पिछली वाजपेयी सरकार ने 2002–2007 में वैश्विक अर्थव्यवस्था में उछाल के बीच उच्च विकास दर और कम मुद्रास्फीति दर दर्ज की थी, जो यूपीए के पहले कार्यकाल यानी 2004–09 के दौरान देखी गई थी। लेकिन, आगे विकास के अच्छे अवसर का उपयोग नहीं किया गया, जिसके परिणामस्वरूप यूपीए के दूसरे कार्यकाल में नीतियों की खराबी और केंद्र सरकार की निष्क्रियता के कारण विकास दर में गिरावट देखी गई। महँगाई नियंत्रण से बाहर हो गई। 2004 से 2014 के बीच व्यापार और निवेश के माहौल में खटास आ गई, जिससे भारत की छवि खराब हुई और वैश्विक निवेशक दूर हो गए। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के मामले में, सकल एनपीए, जिसे पूर्ववर्ती वाजपेयी सरकार ने 16ः से घटाकर 7.8ः कर दिया था, 12.3ः बढ़ गया। इसका दोष बैंकिंग प्रणाली में राजनीतिक हस्तक्षेप पर मढ़ें। लगभग 4 लाख करोड़ रुपये के समस्याग्रस्त ऋणों को प्रावधान के लिए मान्यता नहीं दी गई थी और 2006 और 2008 के बीच बड़ी संख्या में बुरे ऋण दिए गए थे। यूपीए सरकार द्वारा सिस्टम के दुरुपयोग और भ्रष्टाचार की कीमत देश आज भी चुका रहा है। देश में निवेश–अनुकूल माहौल बनाने के लिए एनडीए सरकार को कड़ी मेहनत करनी पड़ी। सीएजी ने कहा कि कोयला ब्लॉक आवंटन से सरकारी खजाने को 1.86 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ और सुप्रीम कोर्ट ने यूपीए द्वारा किए गए 204 कोयला आवंटन रद्द कर दिए। 47 मामले दर्ज किए गए और 10 मामलों की अभी भी जांच चल रही है। इसके अलावा कॉमनवेल्थ गेम्स घोटाले में 8 मामले दर्ज किये गये और कांग्रेस नेता सुरेश कलमाडी को गिरफ्तार किया गया। 2जी टेलीकॉम घोटाले से देश को 1.76 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ और यह मामला अपीलीय अदालत में है। 2004–2014 के दौरान सारदा चिट फंड, आईएनएक्स मीडिया, आदर्श हाउसिंग, ऑगस्टा वेस्टलैंड आदि जैसे कई अन्य घोटाले हुए। हर कोई स्वीकार करता है कि तत्कालीन प्रधान मंत्री मनमोहन सिंह के खिलाफ कोई विशेष भ्रष्टाचार का आरोप नहीं था, क्योंकि वाड्रा सहित गांधी परिवार फैसले ले रहा था। नरेंद्र मोदी ने 2014 में प्रधानमंत्री पद पर आसीन होने के बाद अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए संरचनात्मक सुधारों को प्रभावित किया, जबकि अर्थव्यवस्था में जाली और नकली मुद्रा पर अंकुश लगाने के लिए विमुद्रीकरण जैसे उपायों की पहल की। वह पिछले 9 वर्षों के दौरान पारदर्शी अप्रत्यक्ष कर प्रणाली, बैंकिंग विलय, धन निवेश के लिए एनबीएफसी को छूट, ऑटो मोबाइल और कपड़ा उद्योगों के नवीकरण के लिए विशेष उपाय आदि के लिए जीएसटी लेकर आए, जबकि कोविड 19 के कारण अप्रत्याशित अनिश्चितताएं थीं, जिसने दुनिया भर की अर्थ व्यवस्थाओं को बर्बाद कर दिया था। और कईयों को मंदी में धकेल दिया। लचीलापन और अनुकूलनशीलता उनके शासन की पहचान रही है। नरेंद्र मोदी सरकार सभी क्षेत्रों में अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने और वंचित वर्गों की स्थितियों को सुधारने के लिए 20 लाख करोड़ रुपये की शानदार

आत्मनिर्भर भारत लेकर आई। परिणामस्वरूप, मुद्रास्फीति नियंत्रण में आ गई और वैश्विक स्तर पर आर्थिक विकास रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। कायाकल्प कार्यक्रम के दौरान, सरकार ने वैश्विक मुद्रास्फीति, यूरोपीय अर्थव्यवस्था संकट, ब्रेक्सिट, ग्रीस संकट, अस्थिर तेल की कीमतें, रूस–यूक्रेन युद्ध जैसे कई संकटों का सामना किया, जिससे दुनिया भर में आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान बढ़ गया। जबकि प्रमुख अर्थव्यवस्थाएं धीमी वृद्धि दर्ज कर रही हैं, भारत कोविड–19 को सफलतापूर्वक नियंत्रित करके और कई देशों को समय पर टीकाकरण में मदद करके सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बनकर उभरा है। मंदी, महामारी और युद्धों के कठिन दौर में वैश्विक अर्थव्यवस्था के जहाज को चलाने के लिए भारत शेष दुनिया के लिए एक आशा बन गया है। मोदी के नेतृत्व में, भारत ने 7.3 प्रतिशत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर हासिल की और दर्ज की और मौजूदा कीमतों पर जीडीपी 2023–24 के लिए 296.58 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गई।

राज्य का उत्तराधिकारी होने के लिए कोई पुत्र नहीं

आसिफ

राज्य का उत्तराधिकारी होने के लिए कोई पुत्र नहीं था। पुराने धर्मग्रंथ में कुछ कच्ची बातें हैं लेकिन यह जानने लायक है। यह घृणित लेकिन मार्मिक कहानी जो बहुत से लोगों को उन कारणों से सुनने को नहीं मिलती है जिन पर आप जल्द ही ध्यान देंगे, ऋग्वेद के ऐतरेय ब्राह्मण खंड से है। यह प्राचीन काल तक जाता है, अयोध्या के अच्छे राजा हरिश्चंद्र के काल्पनिक समय तक, जब कहा जाता है कि देवता मनुष्यों के बीच खुले तौर पर विचरण करते थे। कहानी यह है कि राजा हरिश्चंद्र के पास राज्य का उत्तराधिकारी होने के लिए कोई पुत्र नहीं था। वह अत्यधिक लोकप्रिय घुमंतू ऋषि देवर्षि नारद के पास परामर्श के लिए गए। नारद की सलाह के अनुसार, हरिश्चंद्र ने प्राचीन देवता वरुण से प्रार्थना की, लेकिन एक भयानक सौदा करके वापस आ गए – एक जीवन के बदले एक जीवन। हरिश्चंद्र को उनका पुत्र तो मिल जाएगा लेकिन किसी समय, उन्हें वरुण के बदले में एक मानव जीवन देना होगा। शायद भगवान उनकी परीक्षा ले रहे थे, जिस स्थिति में हरिश्चंद्र आश्चर्यजनक रूप से असफल रहे। जल्द ही, राजा हरिश्चंद्र के दिल को खुश करने के लिए राजकुमार रोहिताश्व (लाल घोड़े के लिए संस्कृत) का जन्म हुआ और पुराने सौदे को आसानी से भुला दिया गया। लेकिन जब रोहिताश्व बड़ा हुआ तो वरुण ने उसे इधर–उधर भागते देखने के लिए, साक्षीपूर्वक राजा को उसका वादा याद दिलायाय क्योंकि हरिश्चंद्र अपने अच्छे–अच्छे स्वभाव के तहत घमंड के दोषी थे, ष्मैं इतना सभ्य व्यक्ति हूंष जैसा कि देवताओं को विशेष रूप से चिड़चिड़ा लगता है। जब राजा ने घबराकर अपने बिगड़ैल बेटे को मामला समझाया, तो रोहिताश्व वरुण को बलि चढ़ाने के लिए एक व्यक्ति को खोजने के लिए राज्य में इधर–उधर भागा। निःसंदेह, कोई भी बलि चढ़ाने के लिए सहमत नहीं हुआ क्योंकि मानव बलि की प्रथा नहीं थी। रोहिताश्व बलि के लिए शिकार की तलाश में लगभग छह वर्षों तक इधर–उधर भटकता रहा और जब वह दूर था तब हरिश्चंद्र को पीड़ा का सामना करना पड़ा, क्योंकि वरुण इन देरी की रणनीति से खुश नहीं था और चूक करने के लिए जुर्माने के रूप में हरिश्चंद्र को सबसे भयानक पेट दर्द दिया। आखध्रिकार, रोहिताश्व की मुलाकात अजीगर्त से हुई, जो एक पूर्व पुजारी था, जिसका पेट एक और सजा, भूख से दर्द कर रहा था। अजीगर्त को, महत्वपूर्ण वृद्ध ऋषि अंगिरस से उसके सभी भव्य वंश के बावजूद, कदाचार के लिए उसकी बस्ती से बाहर निकाल दिया गया था। उसके बाद कोई भी उसे काम नहीं देता था और वह एक वैदिक पहाड़ी बन गया था, जो अपनी पत्नी और तीन बेटों, शुनपुच्छ, शुनशेपा और शुनलंगुला के साथ जंगल में एक अनिश्चित जीवन व्यतीत कर रहा था। अजीगर्त ने अपने एक पुत्र रोहिताश्व को सौ गायें देने की पेशकश की। हालाँकि, उन्होंने कहा कि वह अपने सबसे बड़े बेटे से अलग नहीं होंगे जिससे वह सबसे ज्यादा प्यार करते हैं। अजीगर्त की पत्नी ने तुरंत आदेश दिया कि वह अपने सबसे छोटे बेटे, अपने बच्चे से अलग नहीं होगी। मेरे माता–पिता मुझसे बिल्कुल भी प्यार नहीं करते हैं,ष मंझले बेटे शुनशेपा ने बहुत सदमे में सोचा। अगर कोई मुझसे प्यार नहीं करता, यहाँ तक कि मेरी माँ से भी नहीं तो जिंदगी में बने रहने का क्या मतलब है? वह आगे बढ़ा, उसका चेहरा शर्म से जल रहा था। आप मुझे अपने बलिदान के रूप में स्वीकार कर सकते हैं, राजकुमार, उन्होंने विनम्रता से कहा। रोहिताश्व शुनशेप को तुरंत महल में ले गए और हरिश्चंद्र ने उनके बलिदान को राजसूय समारोह के साथ जोड़ने का फैसला किया, जो श्राजाओं के राजाश के रूप में उनका स्वयं का अभिषेक था। उस युग के चार सबसे महान ऋषियों को यज्ञ का संचालन करना था – विश्वामित्र को होत्र (यज्ञ के नेता या संचालक) के रूप में, जमदग्नि को अध्वर्यु (अग्नि और प्रसाद के कर्ता या प्रबंधक, विशेष रूप से सोम रस इतना सुखदायक) के रूप में देवताओं और मनुष्यों के लिए), अयस्या को उद्गात्र (साम वेद के मंत्रों का जाप करने वाला) और वशिष्ठ को ब्राह्मण (अथर्ववेद के मंत्रों का जाप करने वाला) के रूप में। लेकिन सभी चार पवित्र लोगों ने शुनशेप को यूप या बलि के डंडे से बांधने से इनकार कर दिया और रोहिताश्व को ऐसा करने के लिए अन्य सौ गायों के साथ अजीगर्त को रिश्वत देनी पड़ी, जो मजा देखने के लिए पीछे चल रहा था। इस बीच, दुरूख से त्रस्त युवा शुनशेपा ने दो विनाशकारी चीजों को एक साथ संसाधित करने का प्रयास कियाय उसके माता–पिता की अस्वीकृति और यह तथ्य कि उसे जल्द ही मार दिया जाएगा। नियत समय पर जब वेदियों को पवित्र ज्यामिति के अनुसार सख्ती से बनाया गया था, शुनशेपा को बलि के खंभे पर ले जाया गया और उसके अपने पिता द्वारा उसे मजबूती से बांध दिया गया। हम उस क्षण के भयानक तनाव की केवल कल्पना ही कर सकते हैं। पुजारियों के गंभीर, उदास चेहरे, लड़के के पतले शरीर के चारों ओर घातक दक्षता से बंधी हुई डोरियाँ, त्वचा पर रस्सी का काटने। भयानक सन्नाटा केवल अग्निकुंड में आग की फुफकार और चटक–पटक से टूट रहा था, जहां प्रसाद डाला जाता था, दूर से एक गाय की आवाज, पंचपात्र (बीकर) पर ऊपररानी (चम्मच) की खनक – छोटी–छोटी आवाजें जो बड़ी हो जाती थीं उस शांति में भयावह शोर। प्रारंभिक मंत्रोच्चार शुरू हुआ, जादू के मीटर हवा में घूमते हुए श्रोताओं के दिमाग को सुलझाते थे और उन्हें पवित्र अग्नि की गर्मी को देवताओं तक ले जाने और उन्हें प्रसन्न करने के लिए एक चमकदार सूत्र में बांधते थे। फिर, जैसे ही राजा ने अपना गला काटने के लिए तेज ब्लेड की ओर हाथ बढ़ाया, भावना की उस शक्ति ने शुनशेप को झकझोर कर रख दिया, जो प्रिय नहीं था। यज्ञ के नेता, विश्वामित्र, जिनके नाम का अर्थ श्संपूर्ण विश्व का मित्रश था, द्वारा एक अवसर के रूप में गुप्त रूप से प्रशिक्षित शुनशेप ने स्वर्ग की ओर देखा। उनके गले से अलौकिक सौंदर्य के श्लोक फूट पड़े, जिसमें वरुण की प्रशंसा की गई, जिसका वह बलिदान था। ऐसा लगा मानो उसने सारा प्यार इकट्ठा कर लिया हो।

छोटी समस्याओं के प्रति भी जिलाधिकारी बेहद संवेदनशील

सड़क पर नाली का गंदा पानी बहने की शिकायत को लिया बेहद गंभीरता से

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर / मछलीशहर। नवागत जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मादड छोटी समस्याओं के प्रति भी कितने संवेदनशील हैं ,इसका उदाहरण आज देखने को मिला जब उन्होंने नाली का गंदा पानी सड़क पर बहने की शिकायत को बेहद ही गंभीरता से लेते हुए उप जिलाधिकारी को न सिर्फ तत्काल कार्यवाही के निर्देश दिये।

बीते सोमवार की शाम को महतवाना मोहल्ला स्थित सिनहा रोड निवासी अनुराग सिन्हा ने जिलाधिकारी को अवगत कराया कि इस बेहद चलाएमान मार्ग पर बीते कई महीनो से नाली का गंदा पानी बहकर सड़कों पर आ रहा है। जिसके कारण लोगों का चलना फिरना दुभर हो गया है और बेहद तेजी से मच्छर पनप रहे हैं। भूमाफियाओं द्वारा नालों पर अतिक्रमण कर लिए जाने के कारण पानी आगे नहीं निकल पा रहा है। जब अभी यह स्थिति है तो बरसात में तो लोगों के घरों में गंदा पानी घुसना तय है। बीते दिनों भारतीय जनता पार्टी की महिला मोर्चा की जिला मंत्री रितु पटेल के नेतृत्व में भी दर्जनों महिलाओं ने नगर पंचायत कार्यालय का घेराव किया था। शिकायतकर्ता अनुराग सिन्हा ने कहा कि डीएम के निर्देश पर एसडीएम ने मुझसे बात करके समस्या को जाना और तत्काल कार्यवाही का आश्वासन दिया है।जिलाधिकारी के इतनी छोटी समस्या के प्रति इतनी संवेदनशीलता दिखाने पर पूरे मोहल्ले के लोगों ने उनका आभार प्रकट किया है। और कहा कि बदलते भारत में ऐसी नौकरशाही की आवश्यकता है जो जनता के हितों से सीधे सरोकार रखती हो।

माघ मेला प्रयागराज में उमड़ा श्रद्धालुओं का जनसैलाब

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या। मीडिया सेल माघ मेला प्रयागराज के मुताबिक रविवार के अवकाश व खिलखिलाती धूप

के बीच तम्बुओं की नगरी तीर्थराज प्रयाग मे भारी संख्या मे लोग संगम स्नान व लेटे हनुमान जी के दर्शन–पूजन हेतु आये। श्रद्धालुओं ने संगम की धारा में डुबकी लगाकर हनुमान जी का दर्शन–पूजन किया। मेला क्षेत्र में ऐसा हुजूम उमड़ा की मुख्य स्नान पर्व फीके पड़ गए,माघ मेला के आने जाने वाले प्रमुख मार्गों व महत्वपूर्ण स्थानों पर भीड़ ही भीड़ व चारों तरफ जनसमूह दिखाई पड़ रहा था। संगम नोज, मेले मे लगी प्रदर्शनियों तथा झूलों को लेकर स्नानार्थियोंध सैलानियों मे काफी उत्साह देखने को पाया गया। स्नानार्थियों / श्रद्धालुओं को उनके वाहन के साथ मेला क्षेत्र मे आने हेतु माघ मेला पुलिस द्वारा निकटस्थ पार्किंग हेतु अनुमन्य किया गया।

संगम पार्किंग स्थल,महावीर पार्किंग स्थल,हेलीपैड पार्किंग स्थल वाहनों से भर जाने पर परेड में काली सड़क के दाहिने–बाएं बने पार्किंग स्थल व गल्ला मंडी पार्किंग स्थल पर वाहन पार्क कराये गये।मेला क्षेत्र के सभी थाना प्रभारी प्रमुख मार्गों, संवेदनशील स्थलों व चौराहों पर संदिग्ध व्यक्तियोंध वाहनों की निरन्तर चेकिंग करते रहे। मेला क्षेत्र मे भारी भीड़ को देखते हुए ड्यूटी पर तैनात पुलिस के जवानों द्वारा विशेष सतर्कता बरती गयी। पुलिस उप महानिरीक्षक माघ मेला डॉ राजीव नारायण मिश्र व सभी अधिकारीगण मय हमराह मेला क्षेत्र में निरन्तर भ्रमण करते रहे व स्नानार्थियोंध श्रद्धालुओं का कुशलक्षेम लेते रहे।

हम मगर सातों समन्दर पारकर बैठे रहे

साहित्यिक संस्था –साहित्य सुरभि– की 359वीं मासिक काव्य गोष्ठी

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

बरेली। शहर की सबसे पुरानी और प्रतिष्ठित साहित्यिक संस्थाओं में एक –साहित्य सुरभि– की 359वीं मासिक काव्य गोष्ठी रविवार सायं वयोवृद्ध–वरिष्ठ कवि एवं संस्था के अध्यक्ष राममूर्ति गौतम गगन के संयोजकत्व में मढ़ीनाथ में उन्हीं के आवास पर आयोजित की गई। वरिष्ठ गीतकार एवं गजलकार कमल सक्सेना की उत्कृष्ट रचनाओं को

खूब पसंद किया गया। यह गजल उन्होंने डूबकर गाई और काव्यप्रेमी बार–बार तालियां बजाते रहे–

इस कदर हम जिंदगी से हारकर बैठे रहे,
घर हमारा था मगर हम द्वार पर बैठे रहे।
नाव में बैठे ही थे वो मिल गया साहिल उन्हें,
हम मगर सातों समंदर पारकर बैठे रहे।

संचालन कर रहे वरिष्ठ कवि ब्रजेंद्र अकिंचन की इस गजल का भी हर शेर खूब पसंद किया गया–

नजर की जद में आ जाता,
कहां ऐसा हुआ होगा,
वो आंसू था, न सपना था तुम्हें धोखा हुआ होगा।
धुआं पहले ही तय साजिश में जब ठंडा हुआ होगा,
कहीं जाके किसी फिर आग का सौदा हुआ होगा।

विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ कवि–पत्रकार गणेश पथिक ने अपने इस गीत से खूब वाहवाही बटोरी–

धुंधलाए दर्पण सुधियों के अपनों की पहचान खो गई,
लिप्साओं की मरीचिका में निष्ठा लहुलुहान हो गई।
भुतहा चिमनी लगीं उगलने जहरीली विनाश की फसलें,
बूढ़े बरगद की छाया क्यों बच्चों का अपमान हो गई?

युवा कवि प्रताप मौर्य मृदुल ने पीढ़ियों के बीच बढ़ते फासले को मार्मिक स्वरों में वाणी दी तो सब भावुक हो उठे–

सास–ससुर हर ताना सहते,
पूत–बहू फिर भी ये कहते।
खेल चुके तुम अपनी पारी,
वृद्धाश्रम की करो तैयारी।

वरिष्ठ कवि राजकुमार अग्रवाल राज की इस उम्दा गजल ने भी खूब तालियां बटोरीं–

सैकड़ों तूफां की जद में बह गये
और हम साहिल पे तकते रह गये,
अब यही पूंजी है अपनी दोस्तों,
मेरे आंसूं जो पलक पर रह गए।

अध्यक्षता कर रहे वरिष्ठ कवि रणधीर प्रसाद गौड़ धीर भी अपनी इस गजल और एक उत्कृष्ट गीत को सुनाकर देर तक वाहवाही और तालियां बटोरते रहे–

इतनी तो नवाजिश हो जाए,
इतनी तो इनायत हो जाए,
नफरत जो तुम्हारे दिल में है–
वह आज मोहब्बत हो जाए।

वरिष्ठ कवि हिमांशु श्रोत्रिय निष्पक्ष ने वसंत ऋतु की महिमा पर यह गीत गाकर सुनाया तो सब झूम उठे–

जब–जब ऋतु वसंत आती है,
पुलक–पुलक धरती जाती है।
बौराता है आम चतुर्दिक,
कचरल गीत मधुर गाती है।

मुख्य अतिथि अश्विनी कुमार सिंह तन्हा की उत्कृष्ट रचनाएं भी खूब प्रशंसित हुईं–

छपी है अखबारों में यही खास खबर,
नुचे आज फिर किसी तितली के पर।

गोष्ठी के संयोजक वयोवृद्ध कवि राममूर्ति गौतम गगन के गीत और गजल को भी खूब सराहा गया और काव्य प्रेमी हर पंक्ति पर तालियां बजाते रहे–

कामनाओं के घर में सद्भाव से
कल्पनाओं के मंडप सजाते रहे–
आंधियों के उपेक्षित सैलाब में
रेत के ही घरौंदे बनाते रहे।

एल.पी.एस. राजाजीपुरम में स्वास्थ्य शिविर आयोजित

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। लखनऊ पब्लिक कॉलेज, ए– ब्लॉक राजाजीपुरम शाखा में संस्थापक महाप्रबंधक डॉ. एस.पी. सिंह के दिशा – निर्देशन में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के लिए कर्मचारी राज्य बीमा निगम अलीगंज की शाखा प्रबंधक कोमल जैन ने कर्मचारी राज्य बीमा निगम के अंतर्गत आने वाले हित लाभों के बारे में विस्तृत जानकारी दी । तदुपरांत कर्मचारी राज्य बीमा चिकित्सालय के डॉ.सी.पी. पाल एवं उनकी टीम के द्वारा ए– ब्लॉक व बी– ब्लॉक के कर्मचारियों के स्वास्थ्य की जांच की गई एवं उन्हें आवश्यक परामर्श दिया गया । इस अवसर पर एन.बी.सिंह, प्रधानाचार्या भारती गोसाई, ऑफिस सुपरिटेंडेंट अजय पाल सिंह, चीफ अकाउंटेंट

राजकुमार वर्मा, सूर्यांश एवं सभी कर्मचारी गण उपस्थित थे।

लोकसभा चुनाव को शांतिपूर्ण कराने के लिये डीएम ने नामित किये नोडल अधिकारी/सहायक प्रभारी अधिकारी

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। जिलाधिकारी / जिला निर्वाचन अधिकारी नितीश कुमार ने आगामी लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 को निष्पक्ष, स्वतंत्र, शांतिपूर्ण एवं सुचारू ढंग से सम्पन्न कराने तथा सभी निर्वाचन व्यवस्थाएं समय से पूर्ण कराने हेतु विभिन्न व्यवस्थाओं के लिए प्रभारी अधिकारीध सहायक प्रभारी अधिकारी नियुक्त किये गये है। जिला निर्वाचन अधिकारी ने कुल 22 विभिन्न प्रकार की व्यवस्थाओं के लिए नोडल अधिकारी व सहायक प्रभारी अधिकारी नामित करते हुये सम्पादित किये जाने वाले कार्यो का विवरण बताते हुये कहा कि सभी प्रभारी (नोडल) अधिकारीध्सहायक प्रभारी अधिकारी समय–समय पर अपने कार्यो की समीक्षा करते हुये प्रगति से अवगत करायेंगे। सभी व्यवस्थाओं को समय से पूर्ण करने के लिए सभी प्रभारी अधिकारीध्सहायक प्रभारी अधिकारी पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।जिला निर्वाचन अधिकारी नितीश कुमार ने मतदानध्मतगणना कार्मिक व्यवस्था मतदानध्मतगणना कार्मिक कल्याण कार्यधदिव्यांग मतदाता व्यवस्था तथा मतदानध्मतगणनाध्अन्य निर्वाचन कार्मिक प्रशिक्षण प्रबन्धनध्ई0वी0एम0 प्रशिक्षण सम्बंधी कार्य का मुख्य विकास अधिकारी अयोध्या ऋषिराज (9454417142) को प्रभारी (नोडल) अधिकारी तथा इनके साथ 06 सहायक प्रभारी अधिकारी नामित किया है।उन्होंने प्रेक्षक व्यवस्था हेतु नगर मजिस्ट्रेट अयोध्या राजेश कुमार मिश्रा (9454416111) को प्रभारी अधिकारी तथा इनके साथ 4 सहायक प्रभारी अधिकारी नामित किया है, खान–पान व्यवस्था हेतु जिला पूर्ति अधिकारी बृजेश कुमार मिश्रा (7905825142) को प्रभारीध्नोडल अधिकारी तथा इनके साथ 01 सहायक प्रभारी अधिकारी अजीत प्रताप सिंह जिला खाद्य एव विपणन अधिकारी अयोध्या को नामित किया है। दूरसंचार प्रबन्धन हेतु महाप्रबन्धक भारत संचार निगम लि0 अयोध्या ज्ञानेन्द्र द्विवेदी (9868220147) को प्रभारीध्नोडल अधिकारी तथा इनके साथ 02 सहायक प्रभारी अधिकारी विपिन कुमार पाठक एसडीओ भारत संचार निगम लिमि0 व इन्द्रभूषण यादव नायब तहसीलदार नगर तहसील नगर को नामित किया है। ई0वी0एम0ध्वीवीपैट प्रबन्धन हेतु उप संचालक चकबंदी ओम प्रकाश गुप्ता को नोडलध्प्रभारी अधिकारी तथा इनके साथ 04 सहायक प्रभारी अधिकारी नामित किया है। मीडियाध कम्युनिकेशनध्पेड न्यूजध्सोशल मीडियाध्जोनलध्सेक्टर मजिस्ट्रेट की नियुक्ति व्यवस्था हेतु अपर जिलाधिकारी नगर अयोध्या सलिल कुमार पटेल (9454416100) को प्रभारी अधिकारी नामित किया है तथा इनके साथ उपनिदेशक सूचना अयोध्या डा0 मुरलीधर सिंह (7080510637), प्रदर्शनी अधिकारी अयोध्या मयंक तिवारी (9260976482), ई–डिस्ट्रिक्ट मैनेजर प्रिया मिश्रा एवं समस्त सहायक रिटर्निंग आफिसरध्उप जिलाधिकारी को नामित किया है।इसी क्रम में जिला निर्वाचन अधिकारी नितीश कुमार ने यातायात प्रबंधनध्रूट चार्ट व्यवस्था, लेखन सामग्री एवं अन्य मतदान सामग्री, ईवीएम हेतु मतपत्र व्यवस्था, वीडियोग्राफी / फोटोग्राफी, वेब कास्टिंग / सीसीटीवी व्यवस्था, मतदेय स्थल का कम्युनिकेशन प्लान / मतदान स्थल व्यवस्था, आदर्श आचार संहिता, कानून एवं शांति व्यवस्था आदि कुल 22 व्यवस्थाओं के लिए नोडल अधिकारी व सहायक प्रभारी अधिकारी नामित किये है।

लोकबंधु अस्पताल को रक्तचाप की दवा और अन्य दवाएं दान की

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। आज की जीवनशैली में जो बीमारी सबसे ज्यादा घातक हो चुकी है वह है रक्तचाप की अनियमितता। हर दूसरा व्यक्ति इस से पीड़ित है,जिसका सतत इलाज करना पड़ता है। यह गरीबों के लिए कष्टकारी हो जाता है।इसी को ध्यान में रखते हुए समाजसेवी संस्था शिवराज हेल्पिंग हैंड फाउंडेशन के संस्थापक व अध्यक्ष श्री शिवम् तिवारी व सचिव श्री प्रतीक द्विवेदी और स्वास्थ्याध्याय फाउंडेशन के अध्यक्ष श्री नागेंद्र प्रसाद श्रीवास्तव व कोषाध्यक्ष श्री राजन तिवारी ने अपनी दानवीरता और दयाभाव का परिचय एक बार फिर से देते हुए ,लोकबंधु अस्पताल को रक्तचाप की दवा और अन्य दवाएं दान की।चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर अजय शंकर त्रिपाठी के संरक्षण में यह कार्य संपन्न हुआ। समस्त डाक्टर ,बीमार और तीमारदार अब समय समय पर शिवराज हेल्पिंग हैंड की सेवा प्राप्त करते रहते है। सब ने दिल से शिवरज हेल्पिंग हैंड को धन्यवाद ज्ञापित किया।

स्मार्टफोन का प्रयोग आप करें, न की यह आपका – अलका प्रकाश

जौनपुर ब्यूरो। स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तिकरण योजना के अंतर्गत आज तहसील बदलापुर के क्षेत्रांतर्गत सर्वोदय कन्या महाविद्यालय में स्मार्ट फोन वितरण का कार्यक्रम संपन्न हुआ । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उपजिलाधिकारी बदलापुर डॉ ज्ञान प्रकाश एवम विशिष्ट अतिथि ज्ञानस्थली फाउंडेशन की सीईओ अलका प्रकाश पांडेय रही । सर्वप्रथम छात्रों द्वारा मां सरस्वती की वंदना प्रस्तुत की एवम अतिथि का स्वागत गीत के माध्यम से स्वागत किया। मुख्य अतिथि डॉ प्रकाश ने कहा सरकार की महत्वपूर्ण योजना स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तिकरण के माध्यम से छात्रों को प्रधानमंत्री जी की डिजिटल इंडिया मुहिम से जोड़ते हुए डिजिटल साक्षर किया जा रहा है। आज वक्त है जिस प्रकार बचपन में हम महत्वपूर्ण बिंदु टिप्स ऑन फिंगर पर रखने हेतु कहा जाता था आज उसी प्रकार डिजिटल होने से ज्ञान हमारी उंगलियों पर आ गया है । बेटियों की शिक्षा हेतु सरकार प्रतिबद्ध है एवम बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, विभिन छात्रवृति , कन्या सुमंगला योजना आदि के माध्यम से सशक्त बनाने का प्रयास कर रही है। हम सभी का उद्देश्य उनको जागरूक करना है। रोवर्स रेंजर्स के माध्यम से उनको जूडो एवम सेल्फ डिफेंस के गुर भी शिखाए जाने चाहिए। सरकार की 1090 एवम 112 के विषय में बताया कि यादि आप रात्रि में कही फस गई हाय और आपके पास साधन नही है तो हमारी 112ध 1090 के द्वारा आपको सकुशल घर पहुंचा दिया जाता है। कार्यक्रम की मुख्य वक्ता ज्ञानस्थली फाउंडेशन की सीईओ ने बताया की किस प्रकार उनके द्वारा एक समय साधारण बोर्ड एवम स्मार्ट फोन के माध्यम से ऑन लाइन यू ट्यूब चौनल बनाया एवम डिजिटल एजुकेशन के माध्यम से यूजीसी नेट सेट हेतु छात्रों का मार्गदर्शन किया। आज इस अवसर पर हमे इस स्मार्टफोन की महत्ता को समझना होगा इसका प्रयोग हमे करना है न की यह हमारा प्रयोग करे। किस प्रकार नोट्स बनाने चाहिए और हमे पढ़ाई करनी चाहिए। कैरियर एवम रोजगार के विविध आयामों पर भी उनके साथ खुल कर बातें की गई एवम उनकी जिज्ञासा एवम समस्यों का सुलभ समाधान सुझाया गया । आपने बताया कि ज्ञानस्थली फाउंडेशन लखनऊ छात्रों के सर्वांगीण विकास हेतु प्रतिबद्ध है उसी की इस कड़ी में इस अवसर पर ज्ञानस्थली फाउंडेशन एवम सर्वोदय कन्या महा विद्यालय में संयुक्त रूप से स्मार्टफोन के शैक्षिक प्रयोग विषय पर यह सेमिनार का आयोजन किया गया है। आज आप स्वामी विवेकानंद जी से प्रेरणा प्राप्त कर प्रण करके जाएं है कि आप अपने जीवन का लक्ष्य निर्धारित करना और जीवन में सफल व्यक्ति एवम अच्छा इंसान बनना है । कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के प्रबंधक अशोक यादव जी ने की एवम संचालन डॉ विवेक यादव प्रधानाचार्य ने किया । कार्यक्रम में डॉ बिंद एवम डॉ कुसुम यादव एवम अन्य शिक्षकों ने प्रतिभाग किया।

विकास खंड सभागार हरियावां मे संपन्न हुई, भाजपा लाभार्थी संपर्क अभियान की मंडल बैठक

हरदोई (अंबरीष कुमार सक्सेना)

हरियावां विकासखंड सभागार मे भाजपा लाभार्थी संपर्क अभियान की मंडल बैठक का आयोजन किया गया। बैठक का शुभारम्भ कार्यक्रम के मुख्य अतिथि क्षेत्रीय महामंत्री अवध क्षेत्र भाजपा अनु मोर्चा पीके वर्मा द्वारा पंडित दीनदयाल उपाध्याय व् श्यामा प्रसाद मुखर्जी के छायाचित्रों पर माल्यार्पण कर किया गया। बैठक मे अभियान के प्रमुख करणीय बिंदुओं पर चर्चा करते हुए क्षेत्रीय महामंत्री पीके वर्मा ने कहा कि भाजपा के शासनकाल में सरकार की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति को मिला है। भारतीय जनता पार्टी सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास व् सबका प्रयास के मूलमंत्र से कार्य करती है। पार्टी की विचारधारा को लाभार्थी सम्मेलन के माध्यम से जन–जन तक पहुंचना हम सभी का दायित्व है। भाजपा सरकार ने जनहित की योजनाओं को धरातल पर उतार कर जनता से किए गए वायदों को पूरा किया है। बीते वर्षों में भाजपा सरकार की योजनाओं का लाभ करोड़ों लाभार्थियों को मिला है और भाजपा पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं को प्रत्येक लाभार्थी तक पहुंचना है। भारतीय जनता पार्टी द्वारा प्रारम्भ लाभार्थी संपर्क अभियान के अन्तर्गत 30 लाख से अधिक भाजपा कार्यकर्ता देश के उन 6 करोड़ से ज्यादा लाभार्थी परिवारों के 35 करोड़ से अधिक व्यक्तियों से प्रत्यक्ष संपर्क स्थापित करेंगे। इस अवसर पर क्षेत्रीय महामंत्री पीके वर्मा ने उपस्थित भाजपा

कार्यकर्ताओं, बूथ अध्यक्ष, शक्ति केंद्र संयोजक एवं मंडल पदाधिकारियों से भाजपा सरकार के द्वारा संचालित अभियानों व् जन कल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित हुए लाभार्थियों से संपर्क करने, योजनाओं का फीडबैक लेने तथा यदि किन्हीं कारणवश किसी पात्र व्यक्ति को योजनाओं का लाभ नहीं मिला है तो उसकी जानकारी सूचीबद्ध कर क्षेत्र के पदाधिकारी एवं अधिकारियों को अवगत कराने का अनुरोध किया जिससे हर गांव का प्रत्येक घर सरकारी योजनाओं से लाभान्वित हो सके। संपर्क अभियान मंडल बैठक मे प्रमुख रूप से जिलाध्यक्ष अनुसूचित मोर्चा महिपाल गौतम, भाजपा मंडल अध्यक्ष हरियावां रामप्रताप सिंह, मंडल महामंत्री इंद्रेश मिश्रा, जिला सहसंयोजक आशुतोष आजाद, ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि शशांक सिंह, शिवम् चौधरी व् रजनीश मिश्रा सहित मंडल पदाधिकारी व् कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

उ0प्र0 अस्पसंख्यक आयोग द्वारा भारत सरकार से मदरसा आधुनिकीकरण योजना का नवीनीकरण किये जाने पर विचार करने हेतु संस्तुति सहित प्रस्ताव प्रेषित करने का निर्णय लिया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। उ०प्र० अस्पसंख्यक आयोग द्वारा भारत सरकार से मदरसा आधुनिकीकरण योजना का नवीनीकरण किये जाने पर विचार करने हेतु संस्तुति सहित प्रस्ताव प्रेषित करने का निर्णय लिया है। इस संबंध में मा० आयक्ष, उ०मा अल्पसंख्यक आयोग के कक्ष सं0–633 में प्रेस वार्ता आयोजित की गयी है। प्रेस वार्ता में मा० अध्यक्ष उ०प्र० अल्पसंख्यक आयोग, श्री अशफाक सैफी एवं मा० सदस्या श्रीमती समाना सिध्द्दीकी, सुश्री अनीता जैन तथा मा० सदस्य सरदार परविन्दर सिंह, श्री नवेन्दु सिंह इजिकेल एवं श्री सम्मान अफरोज खान मौजूद रहें। भारत सरकार द्वारा पिछले 10 वर्षों में गरीब पसमांदा मुस्लिमों के उत्थान का कार्य काफी किया है। भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री जी द्वारा मुस्लिम युवाओं के समक्ष संकल्प रखा है कि भारत में मुस्लिम बच्चों के एक हाथ में कुरान तथा एक हाथ में कम्पयूटर होना चाहिए। मरदरसा आधुनिकीकरण योजना इसी की एक मजबूत कही है। योजना के तहत मदरसों के बच्चे न केवल आधुनिक विषयों की शिक्षा प्राप्त करते है बल्कि मदरसा शिक्षा को यह राष्ट्रीय शिक्षा प्रणाली से भी जोड़ता है। इस योजना के तहत कार्यरत आधुनिक शिक्षकों को केन्द्र सरकार द्वारा मानदेय का भुगतान किया जाता है तथा उ0प्र0 सरकार द्वारा अपने अंश का भुगतान किया जाता है। इस योजना के अंतर्गत 7442 शासकीय सहायता प्राप्त ध गैर सहायता प्राप्त मदरसों में 21126 आधुनिक शिक्षक कार्यस्त है जिनके 40ः गैर अल्पसंख्यक है जहीं लगभग मदरसों के 10 लाख बच्चो को आधुनिक विषयों की शिक्षा प्राप्त करते है। मदरसा आधुनिकीकरण योजना मुस्लिम युवाओं के शैक्षिक विकास हेतु एवं महत्वपूर्ण योजना है जो लाखों गरीब, पसमांदा मुस्लिम बच्चों के भविष्य को उज्जवल बना सकती है।

भारत सरकार एवं उ0प्र0 सरकार द्वारा मदरसा आधुनिक शिक्षकों को लगातार मानदेय

दिया जाता रहा है। किन्तु मदरसा आधुनिकीकरण योजना के शिक्षकों का मानदेय रोके जाने से जहाँ विद्याहीनता बढ़ेगी वही नौजवानों में बेरोजगारी भी बढेगी। उ०प्र० सरकार द्वारा इस संबंध में स्पष्ट किया गया है कि यह योजना तब तक चलेगी जब तक केन्द्र सरकार द्वारा यह योजना चलाई जायेगी एवं बजट आवंटन किया जायेगा। पिछले 10 वर्षों में मा० प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में भारत सरकार द्वारा गरीब, अशिक्षित एवं पसमांदा मुस्लिमों को प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्जवला योजना, जनधन योजना, प्रधानमंत्री प्रोत्साहन योजना, आत्मनिर्भर भारत रोजगार योजना, डी०बी०टी० योजना, राष्ट्रीय गामीण आजीविका मिशन, पं० दीनदयाल उपध्याय ग्रामीण कौशल योजना, अंत्योदय योजना, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना, अमृत योजना, डिजिटल इण्डिया कार्यक्रम, मेक इन इण्डिया कार्यक्रम, स्मार्ट सिटी योजना, स्वच्छ भारत मिशन, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, अटल पेंशन योजना, अयुषमान भारत योजना, सार्वजनिक वितरण प्रणाली योजना एवं प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि आदि योजनाओं का लाभ देकर आत्मनिर्भर बनाने का काम किया है।

लुटेरों ने गृह स्वामी को गोली मारी, जिला चिकित्सालय में भर्ती

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। थाना पूरा कलंदर क्षेत्र में लूट का विरोध करने पर लुटेरों ने गृह स्वामी ठेकेदार संतोष वर्मा निवासी मानापुर मजरे खड़कपुर को गोली मार दिया। जिसके चलते वह गंभीर घायल हो गया।जिसे गंभीरावस्था मे जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है।गृह स्वामी संतोष वर्मा ने बताया कि गोली उसके बाये पैर के जांघ मे फंसी हुई है।लूट के बारे में गृह स्वामी के ने बताया कि लुटेरे भोर में लगभग तीन बजे लगभग उनके घर में घुसकर कुछ तोड़फोड़ कर रहे थे।आहट मिलने पर गृह स्वामी ने लुटेरों को पकड़ने की कोशिश किया तो लुटेरे गृह स्वामी संतोष वर्मा को को गोली मारकर छत के रास्ते से भाग खड़े हुए।घायल गृह स्वामी संतोष वर्मा को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।इस घटना की सूचना मिलते ही मिल्कीपुर विधायक अवधेश प्रसाद,एसएसपी राज करन नय्यर व पुलिस के अन्य आलाधिकारी जिला चिकित्सालय पहुंचकर घटना की जानकारी लिया। इस संबंध में एसपी सिटी मधुबन कुमार सिंह ने बताया कि संदिग्धावस्था में दो युवकों को पुलिस गिरफ्तार कर पूछताछ करने में जुटी हुई है। उन्होंने बताया कि इस घटना में शामिल आरोपियों को शीघ्र ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

विवि में सुन्दर वातावरण से ही शिक्षा का परिवेश बनेगा - सांसद लल्लू सिंह

विश्वविद्यालय को भी विश्व स्तर की संस्था बनाया जायेगा – कुलपति प्रो. प्रतिभा गोयल

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के स्वामी विवेकानंद सभागार में मंगलवार को विश्वविद्यालय के शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं छात्र–छात्राओं को प्रधानमंत्री द्वारा पीएम उषा परियोजना के डिजिटल शुभारम्भ को लाइव दिखाया गया। इससे पहले प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान परियोजना को लेकर मुख्य अतिथि अयोध्या सांसद लल्लू सिह ने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा विश्वविद्यालय को 100 करोड़ का अनुदान दिया जाना हर्ष का विषय है। मैं विश्वविद्यालय परिवार एवं अयोध्या की जनता की ओर से प्रधानमंत्री के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करता हूॅ। सांसद ने कहा कि प्रधानमंत्री अयोध्या को विश्व की सुन्दरतम् नगरी के रूप में स्थापित करने के लिए कृत संकल्पित है। इस अनुदान से विश्वविद्यालय के विकास में काफी गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि हम सभी को मिलकर विश्वविद्यालय के वातावरण को सुन्दर बनाना होगा, तभी विश्वविद्यालय का विकास होगा। उन्होंने कहा कि अयोध्या के डॉ0 राममनोहर लोहिया विश्वविद्यालय को देश के उच्च शिखर तक पहुॅचायेंगे एवं एक आदर्श विश्वविद्यालय के रूप में स्थापित करेंगे।कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो प्रतिभा गोयल ने किया। उन्होंने कहा कि भारत सरकार द्वारा विश्वविद्यालय को 100 करोड़ की धनराशि प्रदान की है। यह विश्वविद्यालय को प्राप्त होने वाली अब तक की सबसे बड़ी अनुदान धनराशि है। यह विश्वविद्यालय के अथक प्रयास एवं टीम वर्क का प्रतिफल है। इससे विश्वविद्यालय में लैब, लाइब्रेरी एवं उच्च गुणवत्ता के संयत्रों को जुटाने में बड़ी सहायता मिलेगी और विश्वविद्यालय अपने आपको एक श्रेष्ठ संस्थान के रूप में स्थापित कर सकेगा। कुलपति ने कहा कि प्रभु श्रीराम की नगरी में उन्हीं के आदर्शों पर कृत संकल्पित विश्वविद्यालय में विद्यार्थी श्रेष्ठ ज्ञानार्जन कर सकेंगे। कुलपति ने कहा कि अंधेरो को कोसने से क्या होगा, उठकर दीया जलाना होगा, एक छोटा सा दीया जलायेंगे तो अंधेरा भगा सकेंगे। कार्यक्रम में कुलपति प्रो0 गोयल ने कहा कि हमें कार्य कुशलता के बल पर श्रेष्ठ बने। उन्होंने रामायण की चौपाई का उद्धरण देते हुए कहा कि जापर कृपा राम की होई, तापर कृपा करै सब कोई। विश्वविद्यालय ज्ञान का भव्य मन्दिर राम मन्दिर की तर्ज पर बने क्योंकि विश्वविद्यालय को भी विश्व स्तर की संस्था बनाना है।कार्यक्रम में आईक्यूएसी के समन्वयक डॉ0 पी0के0 द्विवेदी ने बताया कि विश्वविद्यालय को प्राप्त होने वाली राशि पीएम उषा के तहत प्राप्त हुई है। इसमें देशभर के 26 विश्वविद्यालयों में छह विश्वविद्यालय उत्तर प्रदेश के है। उसी में डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय प्रथम स्थान पर है। यह विश्वविद्यालय के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। इसका श्रेय विश्वविद्यालय के कुलपति एवं विश्वविद्यालय की टीम को जाता है। क्योंकि एक अथक प्रयत्न के बाद विश्वविद्यालय को यह अनुदान मिल पाया है। कार्यक्रम से पूर्व मुख्य अतिथि एवं कुलपति द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन किया गया। इसके उपरांत कुलगीत की प्रस्तुति की गई। वहीं कुलपति द्वारा सांसद लल्लू सिंह एवं आईक्यूएसी की निदेशक प्रो0 तुहिना वर्मा ने कुलपति का स्वागत पुष्पगुच्छ एवं अंगवस्त्रम भेटकर किया। कार्यक्रम का संचालन प्रो0 संत शरण मिश्र ने किया। अतिथियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव डॉ0 अंजनी कुमार मिश्र द्वारा किया गया। इस अवसर पर परीक्षा नियंत्रक उमानाथ, प्रो0 आशुतोष सिन्हा, प्रो0 चयन कुमार मिश्र, प्रो0 अशोक राय, प्रो0 एसके रायजादा, प्रो0 राजीव गौड़, प्रो0 फरूख्ख जमाल, प्रो0 गंगा राम मिश्र, प्रो0 शैलेन्द्र वर्मा, प्रो0 अनुप कुमार, डॉ0 राजेश सिंह, डॉ0 अवधा नरायण, डॉ0 दिवाकर त्रिपाठी, डॉ0 सुरेन्द्र मिश्र सहित बड़ी संख्या में विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी एवं छात्र–छात्राएं मौजूद रहे।

ओपीडी मे फिजिशियन के न होने पर मरीजों में किया हंगामा

अयोध्या। जिला अस्पताल में सोमवार को मरीज उमड़े तो चिकित्सक ही नदारद दिखे। आलम यह रहा की कक्ष में अंधेरा पसरा हुआ था। चिकित्सक की जगह इंटर्न इलाज करते हुए देखे गए। काफी देर तक ओपीडी के बाहर मरीज इंतजार करते रहे, लेकिन पौने दो बजे उन्हें बताया की डॉक्टर साहब अब मंगलवार को देखेंगे। आक्रोशित मरीजों ने जिला अस्पताल की चिकित्सकीय व्यवस्था को खूब खरी–खोटी सुनाई। 212 बेड के जिला अस्पताल में प्रतिदिन 800 से एक हजार के करीब मरीज ओपीडी में इलाज कराने पहुंचते हैं। सप्ताह का पहला दिन होने के नाते सोमवार को बड़ी संख्या में मरीज पहुंचे थे। सबसे अधिक मरीज ईएनटी की ओपीडी में थे। साढ़े 12 बजे तक सब कुछ ठीक–ठाक चल रहा था। एक बजे के करीब ओपीडी संख्या 14, 15 व 16 से चिकित्सक गायब हो गए। इस दौरान मरीज बाहर खड़े होकर चिकित्सकों को खोजते नजर आए। तारुन से आए संजय कुमार राठौर 15 नंबर की ओपीडी में दिखाने पहुंचे थे, लेकिन उनके कक्ष में अंधेरा देख वह आधे घंटे तक बाहर की खड़े रहे। उन्हें बताया गयाकि अब आज डॉक्टर साहब नहीं बैठेंगे। यही हाल चर्म रोग ओपीडी के बाहर भी था, जहां दो–तीन पुलिसकर्मी बेंच पर डॉक्टर को दिखाने के लिए इंतजार करते रहे। हालांकि पौने दो बजे के करीब वे भी चले गए। 15 नंबर ओपीडी के बाहर मौजूद उमा तिवारी ने बताया कि उन्हें सीटी स्कैन कराना था। वह डॉक्टर से लिखाने आई थीं, लेकिन अब मंगलवार को आएंगी।डॉक्टर साहब ने 900 की दवा लिखी थी, सोचा दिखा दूं 16 नंबर की ओपीडी के बाहर खड़ीं कंचन ने बताया कि अभी साढ़े 12 बजे डॉक्टर साहब को दिखाया था। उन्होंने बाहर की कुछ दवाएं लिखी थीं। 900 रुपये की पड़ी है। वहीं पूछने आई थी कि इसे कैसे खाना है, लेकिन अब बताया जा रहा है कि डॉक्टर साहब अब नहीं बैठेंगे।आरती भी 450 रुपये की दवा लेकर डॉक्टर के पास आई थीं, लेकिन ओपीडी में इंटर्न ने बताया कि डॉक्टर साहब मीटिंग में गए हैं। इस संबंध में सीएमएस डॉ एनपी गुप्ता ने बताया कि एक फिजिशियन की ड्यूटी पोस्टमार्टम में लगाई गई थी।क्योंकि वह सबसे जरूरी है। दो फिजिशियन इमरजेंसी में मरीज देखने चले गए थे। फिलहाल मेरे पास तक किसी मरीज ने ऐसी शिकायत नहीं पहुंचाई।अगर ओपीडी छोड़कर चिकित्सक बेवजह गायब दिखे तो उन पर कार्रवाई की जाएगी।

गोमती नगर जनकल्याण महासमिति के प्रतिनिधिमंडल द्वारा माननीय रक्षा मंत्री जी का आभार व्यक्त किया गया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। गोमतीनगर जनकल्याण महासमिति के प्रतिनिधिमण्डल ने आज श्री राजनाथ सिंह जी, माननीय रक्षामंत्री, भारत सरकार से मिलकर

गोमती नगर रेलवे स्टेशन का भव्य निर्माण करवाने एवं इसका नाम अटल विहारी बाजपेई (गोमती नगर) टर्मिनस करवाने,

लखनऊ को स्टेट कैपिटल रीजन घोषित करवाने के लिए, गोमती नगर

लखनऊ में पैथोलॉजी/डायग्नॉस्टिक सेंटर खुलवाने के लिए शॉल एवं अंगवस्त्र से सम्मानित करते हुए आभार एवं धन्यवाद दिया।

माननीय सांसद एवं रक्षामंत्री जी से गोमती नगर जनकल्याण महासमिति के वार्षिक उत्सव के मुख्य अतिथि हेतु आतिथ्य स्वीकार करने,

गोमती नगर फेज 2 तथा गोमती नगर विस्तार की समस्याओं हेतु माननीय रक्षामंत्री तथा शहरीकरण विकास मंत्री जी से चर्चा हुई।

प्रतिनिधिमंडल में अध्यक्ष डॉक्टर बी एन सिंह, उपाध्यक्ष पशुपति पाण्डेय,महासचिव डॉक्टर राघवेंद्र शुक्ल,कार्यवाहक महासचिव कर्नल ए एन पांडे,कार्यकारी सचिव संजय निगम,आई टी प्रभारी विनय कुमार जौहरी, मीडिया प्रभारी अभिषेक खन्ना, संगठन सचिवअरूण कुमार गुप्त, विनोद पाण्डेय, अरूण पाण्डेय तथा जितेंद्र पाण्डेय उपस्थिति रहे।

राजकीय इंटर कालेज फतेहगंज में स्थित विवेकानंद छात्रावास का होगा जीर्णोद्धार

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। जिलाधिकारी नितीश कुमार ने राजकीय इंटर कालेज फतेहगंज में स्थित विवेकानंद छात्रावास का जीर्णोद्वार कराये जाने के दृष्टिगत भौतिक निरीक्षण किया तथा परियोजना प्रबन्धक सी0एण्ड0डी0एस0 यूनिट–44 को इसका प्राक्लन तैयार करने के निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने बताया कि इन छात्रावासों को उसके निर्माण के समय प्रयोग की गयी वास्तुकला एवं निर्माण सामाग्रियों का उपयोग कर संरक्षित किया जायेगा इससे यहां छात्रों का रहने का स्वच्छ एवं अच्छा स्थान प्राप्त होगा।इस दौरान जिलाधिकारी ने प्रधानाचार्य जीआईसी को छात्रावास परिसर को साफ सुथरा कराने के निर्देश दिये।

कैंट पुलिस ने बिछड़े श्रद्धालु को खोजकर किया सराहनीय कार्य

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। रामलला का दर्शन–पूजन करने आये गोवा प्रान्त के दल का एक श्रद्धालु अपने समूह से बिछुड़ गया। सूचना पर कैंट पुलिस ने श्रद्धालु को तलाश कर दल के सुपुर्द कर सराहनीय कार्य किया।बताते चलें कि गोवा प्रान्त के श्रद्धालु आस्था ट्रेन से यहां रामलला का दर्शन पूजन करने आये थे। दर्शन–पूजन के बाद समूह के लोगों ने अन्य क्षेत्रों का भर्मण किया और सोमवार को सभी को वापस आस्था विशेष ट्रेन से रवाना होना था। हलांकि इसी दौरान एक श्रद्धालु रोहित प्रदीप सुरलेकर पुत्र प्रदीप मुकुल सुरलेकर निवासी मकान नंबर 190 बरनापुरी गांधीनगर थाना वास्कोडिगामा जिला साऊथ गोवा रास्ता भटक गया और कैंट थाना क्षेत्र स्थित गुप्तारघाट पहुंच गया। श्रद्धालु के गायब होने का मामला सामने आया तो पुलिस ने तलाश शुरू की। कैण्ट थाने के प्रभारी निरीक्षक संजय मौर्य ने बताया कि तलाश में जुटे उपनिरीक्षक शिवानन्द यादव को रोहित प्रदीप सुरलेकर गुप्तारघाट पर मिल गया। उसको समूह के हवाले कर वापस गोवा रवाना किया गया है।

भरत का त्याग लाओ, भारत का बंधुत्व बचाओ नारा देश को नया संदेश देगा

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। अटल विश्व बंधुत्वेश्वरम मंदिर निर्माण मे चित्रकूट मे किन्नर बहनो द्वारा भेंट की गयी राम भरत पादुकाओ का स्वागत श्री अरविन्द भूषण पाण्डेय पूर्व डी आई जी आई पी एस ने अपने आवास फ्रीडम हाऊस विश्वास खंड गोमती नगर लखनऊ मे पुष्प अर्पित कर स्वागत किया और अपने शीश पर रखकर त्रेतायुग का दृश्य राम भरत के त्याग का दिखाया और इस अवसर अटल पुरुषार्थ ट्रस्ट के अध्यक्ष संजीव द्विवेदी एडवोकेट हाई कोर्ट लखनऊ मानस पुत्र भारत रत्न अटल बिहारी बाजपेई पूर्व प्रधान मंत्री व सचिव मदन मोहन शर्मा को श्री पांडेय ने अंग वस्त्र उढाकर सम्मानित किया और अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे श्री द्विवेदी को अंग वस्त्र उढाकर सम्मानित करते हुए कहा भरत का त्याग लाओ भारत का बंधुत्व बचाओ नारा देश को नया संदेश देगा ।

उत्तराखंड सीएम ने कैबिनेट सहित किये रामलला का दर्शन-पूजन

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। मंगलवार को उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अपने कैबिनेट सहयोगियों के साथ अयोध्या में रामलला के दर्शन किए। इस दौरान सभी बेहद उत्साहित और भक्ति भाव में डूबे हुए नजर आए।मुख्यमंत्री श्री धामी मंत्रिमंडल में अपने सहयोगियों श्री सतपाल महाराज, प्रेमचंद अग्रवाल, सुबोध उनियाल, डॉ धन सिंह रावत, रेखा आर्य एवं राज्यसभा सांसद नरेश बंसल के साथ जॉलीग्रांट एयरपोर्ट पहुंचे, जहां से वे श्री अयोध्या धाम के लिए रवाना हुए। अयोध्या में महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा में पहुंचे पर मुख्यमंत्री श्री धामी और उनके सहयोगियों का भव्य स्वागत हुआ। इस दौरान पूरा परिसर जय श्रीराम के नारों से गूंज उठा। प्रदेश सरकार के मंत्री सतीश शर्मा, प्रदेश मीडिया सह प्रभारी हिमांशु दुबे, निवर्तमान जिलाध्यक्ष अवधेश पांडेय बादल, महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव, जिलाध्यक्ष संजीव सिंह, महानगर महामंत्री शीलेंद्र कोरी ने मुख्यमंत्री सहित सभी आगंतुकों का स्वागत किया। यहां से वह राम जन्मभूमि के लिए रवाना हुए। मुख्यमंत्री एवं उनके सहयोगी श्री अयोध्या धाम में प्रभु राम को साष्टांग नमन कर पूजा अर्चना की। प्रभु श्री राम लला के दर्शन के समय श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय जी, ट्रस्टी दिनेंद्र दास जी, विहिप के केंद्रीय मंत्री राजेंद्र पंकज साथ रहे। दर्शन करने के बाद मुख्यमंत्री श्री धामी भावुक हो गए। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्री रामलला के दर्शन से रोम–रोम भक्तिमय और मन प्रफुल्लित है।उन्होंने कहा कि रामलला को कई वर्षों तक टेंट में रहना पड़ा। आज भव्य मंदिर में रामलाला के दर्शन किए। उन्होंने कहा कि वे यहां पर आकर अपने को काफी भाग्यशाली महसूस कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रभु श्री राम की नगरी अयोध्या में उत्तराखंड वासियों के लिए उत्तराखंड सरकार राज्य अतिथि गृह बनाने की तैयारी कर चुकी है। 4700 वर्ग मीटर में बनने वाले इस राज्य अतिथि गृह को बनाने के लिए हमारी सरकार ने उन्होंने कहा कि उत्तराखंड से भगवान श्री राम के दर्शन करने के लिए अयोध्या पहुंचने वाले श्रीराम भक्तों को इस राज्य अतिथि गृह में सुविधा मुहैया करवाई जाएगी।राम लला के लिए मुख्यमंत्री उपहार लेकर आए जिनको प्रभु के चरणों में समर्पित किया।

भरत नाट्यम से कथक की नृत्य नाटिकाओं ने बांधा समां

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। रामकथा पार्क अयोध्या में बीती शाम सांस्कृतिक संध्या में भरत नाट्यम और कथक नृत्य नाटिकाओं की जुगलबंदी ने उपस्थित दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। भगवान राम की उत्तर से दक्षिण की यात्रा को सुर,ताल,लय से जोड़ते हुए कलाकारो ने एक ऐसा समां बांधा जहां सब अपने आराध्य की लीलाओं का साक्षात्कार करके उनके आदर्शो को आत्मसात करने हेतु संकल्पित हो गए। रामोत्सव के अंतर्गत चल रहे कार्यक्रमों के अपराह्न सत्र में कथा व्यास उज्ज्वल शांडिल्य जी महाराज द्वारा अपने मानस विवेचन का समापन किया गया। द्वितीय सत्र में सबसे पहले उर्मिला पांडेय के दल ने भगवान राम के जन्मोत्सव से अपनी नृत्य नाटिका आरंभ किया। विश्वामित्र जी महाराज द्वारा सुकोमल राम लक्ष्मण को यज्ञ की रक्षा हेतु भेजते समय उनका पितृत्व देखते ही बनता था। सीता स्वयंवर के पश्चात जनक जी की सभा में परशुराम जी का क्रोधित होकर आना और लक्ष्मण जी का प्रत्युत्तर दर्शको को प्रभावित कर गया। अगली प्रस्तुति डा.जया राय के दल ने किया वनवास को निकले राम लक्ष्मण सीता को देखकर नगरवासियों की पीड़ा,उनका अनुनय और दशरथ जी की बुद्धि पर संदेह मानो जन की भावनाओं को प्रतिबिंबित कर रहा था।दर्शक कलाकारो के अभिनय में डूब चुके थे।इसके बाद मंच पर कथक कलाकार राघवेंद्र प्रताप सिंह के दल ने ष्जय जगदीश हरेष की स्तुति से श्रीहरि की वंदना किया और फिर जग में सुंदर है दो नाम पर कथक शैली में भजन को एक नए कलेवर में प्रस्तुत करके सभी को मोह लिया। अगले भजन जन जन के राम पर जब इन कलाकारों ने अपना भावपूर्ण नृत्य किया तो दर्शक पूरी तरह से भावुक होकर मंच के सामने आकर नृत्य करने लगेस भावनाओ के इसी प्रवाह में इशिता त्रिपाठी के दल ने अपनी प्रस्तुति में सीता स्वयंवर से राम वनवास तक के प्रसंगों को मंचित किया। अनिता गुहा के निर्देशन में चेन्नई से आए कलाकारों ने भरतनाट्यम विधा में नृत्य नाटिका प्रस्तुत किया। अमेरिका, इंग्लैंड समेत विदेशो में रामकथा को मंचित करके अनेक पुरस्कारों से अलंकृत दल के कलाकारो ने सीता की खोज में भटकते राम और लक्ष्मण का किष्किंधा में हनुमान जी से मिलन भक्त और भगवान के मिलन का साक्षी बना गया। बाली और सुग्रीव के बीच के द्वंद युद्ध ने दक्षिण भारत की रोमांचक युद्ध शैली में प्रस्तुत करके सभी को रोमांचित कर दिया। सुंदरकांड के सभी दृश्य अपनी प्रस्तुति,कलाकारो का भावपूर्ण अभिनय सभी को मंत्रमुग्ध कर रहा था।अशोक वाटिका में सीता रावण संवाद में भगवती का तेज और रावण का अहंकार दोनो इतने प्रभावी थे कि दर्शक तालियां बजाने से खुद को रोक नहीं पा रहे थे। अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रस्तुति में हनुमान के पात्र का जीवंत अभिनय,दर्शको के मध्य से निकलकर लंका दहन करना सभी को सम्मोहित कर रहा था। राम संजना नारायण,लक्ष्मण स्मृति विश्वनाथन,हनुमान सात्विक शंकर,रावण स्मृति सुधाकर,मधुसूदन सुग्रीव,तिरुचेलवम ने बाली का पात्र अभिनीत करके सभी को प्रभावित किया।सूत्रधार 82 वर्षीय रेवती शंकरन थी। कार्यक्रम का संचालन भक्तिमय अंदाज में आकाशवाणी उद्घोषक देश दीपक मिश्र ने किया। अंतरराष्ट्रीय रामायण एवम वैदिक शोध संस्थान के निदेशक डा लवकुश द्विवेदी के निर्देशन में कार्यक्रम समन्वयक अतुल कुमार सिंह ने कलाकारो का स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया। इस अवसर पर स्वामीनाथन,बद्रीश,दीपशिखा,समेत भारी संख्या में संतजन,भक्त और दर्शक उपस्थित रहे।

पूर्वोत्तर रेल क्षेत्रीय परामर्शदात्री समिति के सदस्य पंकज कुमार श्रीवास्तव ने वरिष्ठ रेल अधिकारियों से मिलकर रेल यात्रियों एवं रेल कर्मचारियों की समस्याओं से अवगत कराया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। पूर्वोत्तर रेल क्षेत्रीय परामर्शदात्री समिति के सदस्य पंकज कुमार श्रीवास्तव ने वरिष्ठ रेल अधिकारियों से मिलकर रेल यात्रियों एवं रेल कर्मचारियों की समस्याओं से अवगत कराया। जेड0 आर0 यू0 सी0 सी0 सदस्य एवं भाजपा नेता पंकज कुमार श्रीवास्तव ने बताया देवीपाटन मण्डल के रेल यात्रियों की सुविधा हेतु सरयू साकेत एक्सप्रेस जो मनकापुर से प्रयागराज एवं प्रयागराज से मनकापुर तक आती–जाती है, इस ट्रेन का विस्तार गोण्डा जंक्शन तक किया जाय, गोरखपुर से अयोध्या, लखनऊ तथा प्रयागराज तक आने–जाने वाली वन्दे भारत एक्सप्रेस का संचालन वाया गोण्डा जंक्शन से होकर किया जाये क्योंकि देवीपाटन मण्डल मुख्यालय होने के कारण इसका ठहराव भी गोण्डा जंक्शन पर आवश्यक है, बहराइच से वाराणसी एवं वाराणसी जंक्शन से बहराइच वाया गोण्डा तक आने जाने वाले इण्टरसिटी एक्सप्रेस का ठहराव शिवदयालगंज कटरा में करते हुए अविलम्ब संचालन शुरू किया जाये, गोण्डा से कानपुर तक वाया बाराबंकी लखनऊ मेमो पैसन्जर ट्रेन का संचालन अविलम्ब शुरू कराया जाये, देवीपाटन मण्डल मुख्यालय गोण्डा से नई दिल्ली एवं नई दिल्ली से गोण्डा तक एक्सप्रेस ट्रेनों का संचालन शुरू किया जाये, 12569/12570 इण्टरसिटी एक्सप्रेस का ठहराव इटियाथो, जरवल एवं बुढ़वल जंक्शन पर किया जाये, गोण्डा कचेहरी रेलवे स्टेशन का नाम अमर शहीद राजेन्द्र नाथ लाहिड़ी के नाम किया जाये, अधिवक्ताओं, व्यापारियों, कर्मचारियों एवं छात्र/छात्राओं की सुविधा हेतु बाघ एक्सप्रेस एवं आम्रपाली एक्सप्रेस/मेल का ठहराव गोण्डा कचेहरी रेलवे स्टेशन पर किया जाये, गोण्डा जंक्शन परिसर में रेलवे की खाली पड़ी जमीनों पर अविलम्ब अतिक्रमण हटाने एवं रेलवे आवासों में निवास कर रहे बाहरी व्यक्तियों के

विरूद्ध वैधानिक कार्यवाही किया जाय, गोण्डा जंक्शन पर पुराने माल गोदम पर चल रहे यात्री प्लेटफार्म का निर्माण शीघ्र पूरा कराया जाए, मनकापुर जंक्शन स्टेशन पर बाघ, अमरनाथ एवं गोरखधाम एक्सप्रेस का ठहराव किया जाये, लखनऊ मण्डल कार्यालय में 3–3 अपर मण्डल रेल प्रबन्धक पद पर कार्यरत हैं। इनमें से एक अपर मण्डल रेल प्रबन्धक को स्थानान्तरित करके गोण्डा में नियुक्त किया जाये। क्यों यहां पहले से ही मण्डल कार्यालय स्थापित है, गोण्डा रेलवे चिकित्सालय में डाक्टरों एवं दवाइयों का अभाव है। रेल कर्मचारियों की सुविधा हेतु डाक्टरों की नियुक्ति करते हुए रेल द्वारा निर्धारित अच्छी कम्पनी की दवाईयां उपलब्ध करायी जायें, रेल आवासों की खराब स्थिति के कारण कई घटनाएं घट रही हैं कहीं छत गिर गई है तो कई मकानों पर दीवारों पर दरार आ गयी है। रेलवे कर्मचारियों के लिए निर्मित लगभग 1700 आवासीय स्थल एवं सड़क, स्थानीय निर्माण, इंजीनियरिंग एवं प्रकाश विभाग में कार्यरत उदासीन रेल अधिकारियों एवं वर्षो से तैनात कर्मचारियों की उदासीनता के कारण जर्जर एवं खराब स्थिति में हो गये हैं। इसका पुर्निर्माण कराया जाये, गोण्डा, करनैलगंज, इटियाथोक, बभनान, मसकनवा समेत कई स्थानों पर रेलवे की जमीनों एवं कालोनियों पर बाहरी व्यक्तियों का कब्जा है। कब्जेदारों को हटाकर व्यवसायिक केन्द्र बनाकर सेवानिवृत्त रेल कर्मियों के आश्रितों को आवंटित किया जाये, पूर्वोत्तर रेलवे के अन्तर्गत रेलवे स्टेशन की ओर आने जाने वाली सभी जर्जर सड़कों को दुरूस्त कराया जाये।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी मे. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI सन्दर्भ संख्या - 24/234/2019/R/-1
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।